राष्ट्रीय संस्कृति निधि

वार्षिक रिपोर्ट

2016-17

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

वार्षिक रिपोर्ट

2016-17

प्राक्कथन

वर्ष 2016–17 के दौरान राष्ट्रीय संस्कृति निधि (राष्ट्रीय संस्कृति निधि) ने अपनी चालू परियोजनाओं के पुनर्निर्माण और सशक्तिकरण पर अपने जोर को सतत् जारी रखा और उनको पूरा करने का प्रयास किया है।

न केवल इसने अपने नये भागीदार बनाये हैं बल्कि समग्र रूप से मौजूदा भागीदरी को अंतिम रूप देने के लिए कदम उठाया है।

हमारी विरासत स्मारकों के परिरक्षित और सुरक्षा प्रदान करने के प्रति जागरूकता और आवश्यकता के कारण राष्ट्रीय संस्कृति निधि के कार्यकलाप एवं कार्य वर्ष–दर–वर्ष बढ़े हैं। इस वार्षिक रिपोर्ट में विरातस को परिरक्षित करने और संरक्षित करने में वर्ष 2016–17 में राष्ट्रीय संस्कृति निधि द्वारा मुख्य भूमिका निभाने के प्रसास को रिकार्ड किया गया है। सरकार, कॉरपोरेट क्षेत्र और सिविल सोसायटी के लिए ब्राण्ड छवि हेतु राष्ट्रीय संस्कृति निधि ने जिम्मेवारी और विश्वसनीयता सुनिश्चित की है।

विरासत संरक्षण और कला एवं संस्कृति के विकास का क्षेत्र बहुत व्यापक और महत्वपूर्ण है तथा राष्ट्रीय संस्कृति निधि आगामी वर्षों में उक्त क्षेत्र के लिए विकास करना और सकारात्मक योगदान देना जारी रखेगा।

विषय – सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	राष्ट्रीय संस्कृति निधि का परिचय	6
2.	प्रबंधन एवं प्रशासन	7
3.	राष्ट्रीय संस्कृति निधि की संरचना	8
4.	कार्यकलाप और मुख्य विशेषताएं 2016–17	9
5.	पूर्ण परियोजनाएं	9
6.	2016–17 में शुरू की गई नई परियोजनाएं	10
7.	जारी परियोजना	12
8.	लेखा परीक्षित लेखे का विवरण	32

1. प्रस्तावना

राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ), की स्थापना दिनांक 28 नवम्बर, 1996 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित गजट अधिसूचना के माध्यम से धर्मार्थ अक्षय निधि अधिनियम, 1890 के अंतर्गत न्यास के रूप में भारत सरकार, संस्कृति विभाग (अब संस्कृति मंत्रालय) द्वारा की गई थी।

इसमें भारतीय संस्कृति प्रदर्शन संबंधी सबसे महत्वपूर्ण नवाचार संघटित हैं। यह संस्कृति संबंधित प्रयासों के लिए सार्वजनिक/निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए लोगों की बौद्धिक और वित्तीय दोनों प्रकार की सहायता प्राप्त करने का तंत्र है। संस्कृति, जैसा कि इसके समग्र अभिधानों में समझा जाता है, मूर्त और अमूर्त विरासत को समाहित करता है।

इसकी, अपने संरक्षण के अंतर्गत अधिकृत कार्यकलापों के लिए भारतीय संसद और दानकर्ताओं के प्रति अंतर्निहित जिम्मेदारी है। व्यापक रूप में, एनसीएफ, संस्कृति के क्षेत्र में समग्र उदारीकरण की नीति स्थापित करता है। यह निगमित और सार्वजनिक क्षेत्र, गैर–सरकारी संगठनों और राज्य सरकारों के साथ सहभागिता में कार्य करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि को समर्थ करेगा, जिससे वे विरासत स्मारकों के संरक्षण, परिरक्षण और विकास, मौखिक और अमूर्त संस्कृति अभिव्यक्ति का संवर्धन और सुदृढ़ीकरण; अंतर–विषयक अनुसंधान; नई दीर्घाएं, संग्रहालयों का सृजन और सांस्कृतिक कार्यकलापों में प्रशिक्षण के प्रति योगदान कर सकें।

2. प्रबंधन एवं प्रशासन

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का प्रबंधन एक परिषद एवं कार्यकारी समिति के द्वारा किया जाता है। परिषद की अधिकतम सदस्य संख्या चौबीस की है, जिसमें अधिकतम उन्नीस प्रख्यात सदस्य निगमित एवं सार्वजनिक क्षेत्र, निजी प्रतिष्ठानों एवं गैर लाभकारी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। इस परिषद के अध्यक्ष माननीय संस्कृति मंत्री हैं। कार्यकारी समिति की अध्यक्षता सचिव, संस्कृति मंत्रालय द्वारा की जाती है।

प्रत्येक परियोजना का प्रबंधन स्वतंत्र रूप से परियोजना कार्यान्वयन समिति (परियोजना कार्यान्वयन समिति) द्वारा किया जाता है जिसमें दानकर्ताओं/अंशदानकर्ताओं/सह प्रवर्तकों/ कार्यान्वयन एजेंसियों का यथोचित प्रतिनिधित्व है। परियोजना कार्यान्वयन समिति में राष्ट्रीय संस्कृति निधि का प्रतिनिधित्व होता है और यथा आवश्यक नागरिक प्राधिकारी एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रतिनिधि भी होते हैं। प्रत्येक परियोजना के लिए एक अलग संयुक्त बैंक खाता होता है जो राष्ट्रीय संस्कृति निधि के प्रतिनिधि तथा दानदाता/निधियन एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा परिचालित होता है। प्रत्येक परियोजना के खाते का विवरण राष्ट्रीय संस्कृति निधि के खाते में समन्वित होता है जिसका वार्षिक आधार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा की जाती है।

3. राष्ट्रीय संस्कृति निधि के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

i) संरक्षित स्मारकों या अन्य स्मारकों के संरक्षण, अनुरक्षण, संवर्धन, रक्षण, उन्नयन एवं विकास के लिए निधियां जुटाना एवं उपयोग करना।

ii) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासतों के पुनर्वास के लिए कलात्मक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी समस्याओं पर अनुसंधान एवं अध्ययन शुरू करना।

iii) सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में व्यावसायिकों एवं स्टाफ कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

iv) कलात्मक प्रयत्नों के सभी स्वरूपों विशेषकर कलाओं में नवाचारी प्रयोगों को संरक्षित करना एवं बढ़ावा देना!

v) विद्यमान संग्रहालयों में अतिरिक्त जगह बनाना तथा नवीन एवं विशिष्ट वीथिकाएं सृजित करने या समाहित करने हेतु नए संग्रहालय का निर्माण करना।

vi) समाज का सांस्कृतिक विकास एवं प्रगति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय, नगर–निकायों अथवा क्षेत्रीय स्तर पर रणनीतियां बनाना।

vii) सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के संवर्धन एवं परिरक्षण में संलग्न संगठनों, सरकारी या गैर–सरकारी संस्थाओं को संसाधन उपलब्ध कराना।

viii) भारत एवं अन्य देशों के बीच अनुबंधित सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के दायरे में स्वदेशी विशेषज्ञता, मानव संसाधन तथा कार्यकलापों के विकास हेतु अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना।

ix) विरासतों के संरक्षण के लिए परियोजनाओं या किसी अन्य गतिविधि के लिए कम ब्याज पर, यहां तक कि ब्याज रहित ऋण के लिए निधि उपलब्ध कराना।

4. दानकर्ता निम्नलिखित लाभ प्राप्त करते हैं :

1. राष्ट्रीय संस्कृति निधि हेतु दान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जी (ii) के अंतर्गत 100 प्रतिशत कर छूट का पात्र है।

2. राष्ट्रीय संस्कृति निधि समझौता ज्ञापन के माध्यम से परियोजना प्रबंधन में सुनम्यता प्रदान करता है जिसमें दानकर्त्ताओं, राष्ट्रीय संस्कृति निधि और परियोजना कार्यान्वयन समिति (पी.आई.सी.) की भूमिका का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो।

3. परियोजना को एक संयुक्त परियोजना कार्यान्वयन समिति (परियोजना कार्यान्वयन समिति) के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय संस्कृति निधि और दानकर्त्ता का एक प्रतिनिधि होता है।

4. प्रत्येक विकास स्थल पर पट्टिका लगाने का प्रावधान किया गया है जो दानदाताओं, सहयोगकर्ताओं, तथा भागीदारों के प्रतिदान को सुगम बनाता है।

दिनांक 28 नवंबर 1996 की अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृति निधि की संरचना

परिषद		
1	माननीय संस्कृति मंत्री	अध्यक्ष (पदेन)
2	सचिव (संस्कृति)	सदस्य (पदेन)
3	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
4	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
5	निदेशक, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य सचिव (पदेन)
क्र.सं. 6 एवं आगे	कारपोरेट क्षेत्र, निजी प्रतिष्ठानों और लाभ के लिए नहीं स्वयंसेवी संगठनों सहित विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कम से कम 12 और अधिक से अधिक 19 प्रसिद्ध व्यक्ति	अभी तक नामित नहीं किया गया है।

कार्यपालक समिति		
1	सचिव (संस्कृति)	अध्यक्ष (पदेन)
2	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
3	संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य (पदेन)
4	निदेशक, संस्कृति मंत्रालय (एन सी एफ का प्रभारी)	सदस्य सचिव (पदेन)
क्र.सं. 5 एवं आगे	प्रबंधन एवं निधि उगाही में उनके अनुभव को ध्यान में रखते हुए परिषद के 6 सदस्यों को नामित किया जाना है	अभी तक नामित नहीं किया गया है।

5. एन. सी. एफ. की कॉर्पस निधि और वर्तमान वित्तीय स्थिति

31 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि की वित्तीय स्थिति

31 मार्च, 2017 को एन सी एफ के पास उपलब्ध कुल राशि रु. 69.01 करोड़ है और इसमें शामिल है:

प्रारंभिक कॉर्पस : रु. 19.50 करोड़

कॉर्पस पर ब्याज : रु. 25.75 करोड़

परियोजना निधि : रु. 23.75 करोड़

6. 2016–17 की मुख्य विशेषताएं

2016–17 में पूर्ण परियोजनाएं :

1. शिल्प विरासत का पुनरूज्जीवित करना और कलाकारों को सतत् आजीविका प्रदान करना ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर ई सी)–राष्ट्रीय संस्कृति निधि –सेवा प्रतिष्ठान, गुजरात परियोजना

इस परियोजना का उद्देश्य परंपरागत कला एवं शिल्प में महिला कलाकारों को प्रशिक्षित करना और सतत् आजीविका प्रदान करना, शिल्प केन्द्र 'डिजाइन सेवा' जो एक विरासत भवन है, की पुनर्स्थापना करना और स्थानीय कलाओं और शिल्पों के लिए बेहतर जागरूकता, स्वीकृति और मांग का संवर्धन है।

ग्रामीण विद्युतीकरण निगम – राष्ट्रीय संस्कृति निधि सेवा फेडरेशन परियोजना का समापन समारोह – 15 सितम्बर, 2016, अहमदाबाद

2. जय प्रकाश यंत्र, जंतर–मंतर, दिल्ली का संरक्षण

स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन – राष्ट्रीय संस्कृति निधि – भारतीय पुरातत्व विभाग परियोजना

जय प्रकाश यंत्र, जंतर–मंतर, दिल्ली के संरक्षण के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग, राष्ट्रीय संस्कृति निधि और मैसर्स स्टेट ट्रेड़िंग कार्पोरेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। यंत्र के संरक्षण के लिए मैसर्स स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ने रु. 32,00,000 राशि का योगदान दिया। वर्ष 2016 में परियोजना पूरी हो गई और स्थल पर एक पट्टिका लगा दी गई है।

वर्तमान चार ढांचों में से एक जय प्रकाश यंत्र में उसके उतल सतहों पर अंकन के साथ अर्द्धगोलार्द्ध है। बिन्दुओं के बीच रिम पर क्रॉस तार खींचे हुए हैं और ये तारों के पथ को चार्ट करने के लिए प्रयुक्त होते थे। अन्य तीन यंत्र हैं : सम्राट यंत्र, राम यंत्र और मिश्र यंत्र। भारतीय पुरातत्व विभाग ने सीमेंट प्लास्टर को चूना प्लास्टर से बदल दिया है और सीढ़ियों के लिए पांडु रंग के बलुआ पत्थर का प्रयोग किया है।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि की नई पहलें, जिसके परिणामस्वरूप 2016–17 में नई भागीदारियां हुई

इस अवधि के दौरान इस प्रकार राष्ट्रीय संस्कृति निधि को दानकर्त्ता के अंशदान के रूप में रु. 6.90 करोड़ की राषि प्राप्त हुई :

- भारत अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एस सी एल) – राष्ट्रीय संस्कृति निधि – रु. 5 करोड़ की वित्तीय सहायता के साथ।
- सोनी इंडिया प्राईवेट लि. – राष्ट्रीय संस्कृति निधि – रु. 1.90 करोड़ की वित्तीय सहायता के साथ

सी एस आर समारोहों में राष्ट्रीय संस्कृति निधि की भागीदारी द्वारा राष्ट्रीय संस्कृति निधि की दृश्यता में वृद्धि करना :

- राष्ट्रीय संस्कृति निधि ने 28–30 अगस्त, 2016 तक **सी एस आर सम्मेलन 2016 : कारपोरेट से**

समुदाय (सी 2 सी) के दौरान अपने प्रकाशनों, परियोजनाओं, प्रगति मैदान में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तैयार किए गए लकड़ी नक्काशी, जाली, प्रष्तर आदि के नमूनों को प्रदर्शित करने के लिए 3 दिन के लिए एक दुकान लगाया। माननीय वित्त एवं कारपोरेट कार्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने समापन समारोह में स्मरण चिह्न प्रदान किया और राष्ट्रीय संस्कृति निधि के प्रयासों की सराहना की तथा उनकी क्षमताओं को भी प्रदर्शित किया।

- श्री के. एल. ढींगरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय संस्कृति निधि को कला एवं संस्कृति उद्योग की भूमिका का पता लगाने के लिए **स्मार्ट शहर, कला शहर** नामक नई दिल्ली में पहली बार फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्री द्वारा 19 दिसम्बर, 2016 से आयोजित सांस्कृ**तिक रूपांतरण एवं सतत्नीयता** पर सत्र के लिए एक पैनलिस्ट होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

श्री के. एल. ढींगड़ा, सी ई ओ, राष्ट्रीय संस्कृति निधि अन्य पैनलिस्टों के साथ अपना विचार व्यक्त करते हुए

चालू मूर्त/अमूर्त विरासत परियोजनाएं – 2016–17

क्र. सं.	परियोजना	एम ओ यू पर हस्ताक्षर	प्रायोजक
1.	कोणार्क सूर्य मंदिर, उड़ीसा में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	30.3.2001	मैसर्स इंडियन ऑयल प्रतिश्ठान
2	खजूराहो समूह मंदिर, म.प्र. में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	30.3.2001	मैसर्स इंडियन ऑयल प्रतिश्ठान
3	बैशाली, बिहार में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	30.3.2001	मैसर्स इंडियन ऑयल प्रतिश्ठान
4	भोगानंदीष्वर मंदिर, बंगलुरू, कर्नाटक में संरक्षण कार्य एवं पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	30.3.2001	मैसर्स इंडियन ऑयल प्रतिश्ठान
5.	कन्हेरी गुफा, महाराश्ट्र में पर्यटक अवसंरचना सुविधाओं का विकास	30.3.2001	मैसर्स इंडियन ऑयल प्रतिश्ठान
6.	जैसलमेर किला, राजस्थान	13.8.2003	मैसर्स विश्व स्मारक निधि
7.	लोधी का मकबरा परियोजना, नई दिल्ली	10.1.2006	मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया
8.	कृष्णा मंदिर, हम्पी, कर्नाटक	12.6.2008	मैसर्स हम्पी प्रतिष्ठान एवं विश्व स्मारक निधि
9.	हिडिम्बा देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश	15.7.2008	मैसर्स यूको बैंक, चंडीगढ़

10.	आलमबाज़ार मठ परियोजना, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	14.10.2008	मैसर्स आलमबाज़ार मठ एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि
11.	तुग़लकाबाद किला, नई दिल्ली	13.4.2009	मैसर्स गेल इंडिया लि.
12.	इब्राहिम रौज़ा का बागीचा एवं गोल गुम्बज़, बीजापुर, कर्नाटक	11.12.2009	मैसर्स नौरस ट्रस्ट
13.	मांडू, मध्य प्रदेश में स्मारक समूह का संरक्षण (क) होशंग शाह मकबरा का संरक्षण (ख) तवेली महल में विवेचन केन्द्र (ग) संकेतक	22.12.2009	मैसर्स एन टी पी सी लि.
14.	विक्रमशिला, बिहार में खुदाई स्थल का संरक्षण	22.12.2009	मैसर्स एन टी पी सी लि.
15.	ललितगिरि, उड़ीसा में खुदाई स्थल का संरक्षण	22.12.2009	मैसर्स एन टी पी सी लि.
16.	अहोम स्मारक का संरक्षण, शिवसागर जिला, असम 1. रंग घर 2. करेंगघर (गढ़गांव) 3. तालातल घर (जॉयसागर) 4. चेरईदेव में मैडेम्स का समूह	29.6.2010	मैसर्स ओ एन जी सी
17.	हज़ारद्वारी किला, जिला मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल	13.7.2010	मै. भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता
18.	पुराना श्री रंगनाथ मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी पी आर) की तैयारी	21.7.2011	मैसर्स वेणुगोपाल मंदिर ट्रस्ट एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि
19.	भारतीय संग्रहालय की निधि भारतीय संग्रहालय इलाहाबाद संग्रहालय	2012	संबंधित संग्रहालय
20	श्री भुलेश्वर मंदिर का संस्थापन	26.3.2013	श्रीमती उत्तरादेवी चैरिटेबल एवं अनुसंधान प्रतिष्ठान
21	भारतीय पुरातत्व विभाग स्थल संग्रहालयों, स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, लाल किला, दिल्ली का उन्नयन	30.10.2014	मैसर्स भेल
22	भारतीय पुरातत्व विभाग स्थल संग्रहालय, नालंदा, बिहार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी	16.04.2015	राष्ट्रीय संस्कृति निधि
23	पुराना किला, दिल्ली	30.03.2017	मैसर्स राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लि. (एन बी सी सी)
24	स्मारकों में चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन (दिनांक 9.3.2018 को हस्ताक्षरित प्रछत्र संगम ज्ञापन के तहत)	19.11.2017	मैसर्स भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि.(आई.आई.एफ.सी.एल.)
25	सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय का उन्नयन (दिनांक 30.3.2018 को हस्ताक्षरित प्रछत्र संगम ज्ञापन के तहत)	31.05.2017	मैसर्स सोनी इंडिया प्रा. लि.

चालू परियोजनाएं

स्मारकों का जीर्णोद्धार और विकास

- **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** : 30 मार्च, 2001
- **वित्तपोषक/भागीदार** : इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडियन ऑयल फाउंडेशन (आई ओ एफ), भारतीय पुरातत्व विभाग, राष्ट्रीय संस्कृति निधि
- **परियोजना विवरण** : निम्नलिखित 5 स्मारकों का जीर्णोद्धार और विकास

राष्ट्रीय संस्कृति निधि और भारतीय पुरातत्व विभाग के जरिए इंडियन ऑयल संरक्षण कार्य को वित्तपोषित करेगा, जबकि इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान इन स्थलों पर पर्यटकों के लिए विश्व–स्तरीय सुविधाएं विकसित करेगा। निम्नलिखित विश्व/राष्ट्रीय विरासत को पर्यटन/जन अवसंरचना सुविधाओं के विकास के लिए चुना गया है :

क) कोणार्क सूर्य मंदिर परिसर, उड़ीसा

ख) मंदिर समूह खजुराहो, मध्य प्रदेश

ग) कोल्हुआ,निकट वैशाली, बिहार

घ) कन्हेरी गुफाएं, महाराष्ट्र

ड.) भोगानन्दीश्वर मंदिर, कर्नाटक

सूर्य मंदिर परिसर, कोणार्क, उड़ीसा

अलंकृत रूप से गढ़ित यह तेरहवीं सदी का हिन्दू का पूजा स्थल सूर्य देवता के विशाल रथ को चित्रित करता है। मंदिर को सात अग्रगामी अश्वों द्वारा खीचे जाने वाले विशेष रूप से अलंकृत पहियों के बारह जोड़ों के साथ एक विशाल सूर्य रथ के रूप में कल्पित किया गया था। इस मंदिर में अनेक सहायक वेदिकाओं के अलावा एक ही धूरी में उच्च शिखर (अनुमानतः 60 मी. से अधिक ऊंचा) के साथ एक गर्भ गृह, एक जगमोहाना (30 वर्ग मीटर और 30 मी. ऊंचा) और एक अलग नाट मंदिर (नृत्य कक्ष) है। समय के साथ गर्भ गृह और नाट मंदिर का छत गायब हो गया है। नाट मंदिर अन्य उड़िया मंदिरों से अधिक संतुलित वास्तुगत डिज़ाइन को प्रदर्शित करता है। गर्भगृह तीन प्रक्षेपणों में सूर्य देवता के भव्य तस्वीर को प्रदर्शित करता है, जिसे सूक्ष्म मंदिर माना जाता है।

इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान द्वारा पर्यटन सुविधाओं का विकास :

- मुख्य सड़क – चित्रित सूर्य मंदिर तक सीधे पहुंच और बेहतर दृष्टि के लिए बाहरी रिंग रोड से प्रवेश द्वार तक भूचित्रित, गली चित्रित सड़क।
- विवेचन केन्द्र – चार प्रस्तुति वीथिकाएं, श्रव्य–दृश्य केन्द्र (बैठने की क्षमता : 200 व्यक्ति), वी आई पी दीर्घा, प्रशासनिक कार्यालय, विवरणिका/स्मारिका पटल, जलपान पटल, प्रसाधन खंड एवं टिकट काउंटर
- बाकी क्षेत्र में भूचित्रण।
- मुख्य पार्किंग – लगभग 60 बसों के पर्याप्त पार्किंग के लिए संविधाएं, प्रसाधन खंड, प्रतीक्षा दीर्घा, जल बिंदु, जलपान पटल और खजुराहो मंदिर समूह का भूचित्रण।

खजुराहो स्मारक समूह

खजूराहो स्मारक समूह मध्य प्रदेश, भारत में हिन्दू और जैन मंदिरों का एक समूह है। झांसी से लगभग 175 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में स्थित ये भारत में यूनेस्को विश्व विरासत स्थल में से हैं। खजुराहो, प्राचीन खरज्जुरा वाहक अपनी तरह के विशिष्ट कला प्रतिमान और मंदिर वास्तुकला को प्रस्तुत करता है, जो चंदेल शासन के दौरान संपन्न और सृजनात्मक अवधि होने की गवाही देता है। यह चंदेल

शासकों के प्राधिकारी का मुख्य स्थान था, जिन्होंने इसे अनेक तालाबों, मूर्तिकलात्मक भव्यता और वास्तुगत भव्यता के अनेक उच्च मंदिरों से सजाया। स्थानीय परंपरा में 85 मंदिरों की सूची है लेकिन अब केवल परिरक्षण के विभिन्न चरणों में 25 खड़े हैं। चौंसठ योगिनी, ब्रह्मा और महादेव के अलावा, जो ग्रेनाइट से बने हैं अन्य सभी मंदिर महीन दानेदार बलुआ पत्थर, पांडु, गुलाबी या हल्का पीले रंग में है।

पर्यटन सुविधाओं का विकास :

पश्चिमी समूह में प्रस्तावित सुविधाएं

- दर्शक सुविधा केन्द्र (लगभग 5600 वर्ग मी. के भीतर)
- पर्याप्त बस/कार/2/3 पहिए के साथ सुविधा क्षेत्र (लगभग 2800 वर्ग मी. के भीतर)
- मुख्य सड़क – पहुंच सड़क विकास
- प्रवेश द्वार, पार्किंग, आश्रय, प्रसाधन खंड आदि

पूर्वी समूह में प्रस्तावित सुविधाएं

- पार्किंग क्षेत्र
- प्रवेश द्वार, पार्किंग, आश्रय, प्रसाधन खंड आदि

दक्षिणी समूह में प्रस्तावित सुविधाएं

- प्रवेश द्वार, पार्किंग, आश्रय, प्रसाधन खंड आदि

वैशाली, बिहार :

वैशाली आज केला और आम के बागानों और धान के खेतों से घिरा एक छोटा गांव है। लेकिन क्षेत्र की खुदाई ने एक प्रभावी ऐतिहासिक भूतकाल को प्रकाश में लाया है। महाकाव्य रामायण में वीर राजा विशाल की कहानी है, जो यहां शासन करते थे। इतिहासकारों ने इस बात का उल्लेख किया है कि वज्जियों और लिच्छिवियों के समय में ईसा पूर्व 6ठी सदी में यहां प्रतिनिधियों की निर्वाचित सभा के साथ विश्व का पहला लोकतांत्रिक गणराज्य फला फूला था। और जब मौर्य और गुप्त वंश की राजधानी पाटलिपुत्र ने गंगा के मैदान पर राजनीतिक सिक्का जमाया, वैशाली व्यापार और उद्योग का केन्द्र था। किंवदंती यह भी है कि भगवान बुद्ध अक्सरहां वैशाली जाते थे और इसके नजदीक स्थित कोल्हुआ में अपना अंतिम उपदेश दिए। इस घटना के स्मरण में सम्राट अशोक ने ईसा पूर्व तीसरी सदी में यहां प्रसिद्ध शेर स्तंभ खड़ा किया था। बुद्ध के महापरिनिर्वाण के सौ वर्ष बाद वैशाली ने दूसरे विशाल बौद्ध परिषद की मेज़बानी की। इस घटना की याद में यहॉ दो स्तूप बनाए गए।

कोल्हुआ में पर्यटन सुविधाओं का विकास :

कोल्हुआ विवेचन केन्द्र पर प्रस्तावित सुविधाएं :

विवेचन केन्द्र में मुख्यतः निम्नलिखित को शामिल करते हुए केवल 60 मी. x 60 मी. भूमि पर एकमंजिला भवन में निम्नलिखित शामिल है :

- श्रव्य–दृश्य केन्द्र

- प्रदर्शन वीथिकाएं, कार्यालय खंड एवं स्वागत कार्यालय
- टिकट काउंटर
- वी आई पी दीर्घा, शिशु देखभाल कक्ष, प्राथमिकता चिकित्सा केन्द्र
- जलपान गृह (फूड कोर्ट) एवं पेयजल स्थल
- स्मारिका की दुकान, महिला/पुरूष प्रसाधन खंड
- विद्युतीकरण, यांत्रिक एवं नलसाजी, संकेतक, बैठने का स्थान (बेंच) आदि
- सुरक्षा व्यवस्था जैसे कि मेटल डिटेक्टर, सी सी टी वी

आस–पास के क्षेत्रों में विभिन्न सूचना संकेत रखने सहित बैठने का स्थान/वर्षा से बचाव स्थल, आंतरिक एवं बाह्य विद्युतीकरण, यांत्रिक एवं नलसाजी कार्य होना है।

कन्हेरी गुफाएं, मुंबई :

कन्हेरी गुफाएं कटे हुए चट्टान के स्मारकों का समूह है, जो मुंबई के पश्चिम भाग में बोरीवली के उत्तर में स्थित है। प्राचीन अभिलेखों का कन्हेरी, कान्हासेला, कृष्णागिरि, कान्हागिरि प्रमुख बौद्ध केन्द्र था। कन्हेरी थाणे से छह मील दूर साल्सेट द्वीप में स्थित है। गुफाओं की खुदाई समुद्र तल से 1550 फीट ऊंची वोल्केनिक ब्रेसिया पहाड़ियों में की गई हैं। कन्हेरी एकल पहाड़ी में सबसे बड़ी संख्या में खुदी गुफा के रूप में प्रसिद्ध है। पश्चिम में बोरीवली स्टेशन है और छोटी नदी के पार अरब सागर है।

पर्यटन सुविधाओं का विकास :

कन्हेरी गुफाओं में और इसके आसपास प्रस्तावित विभिन्न तरह की सुविधाओं का विकास नीचे दिया गया है :

गुफा से सटा खुला क्षेत्र

प्रवेश द्वार पर दर्शक सुविधाएं

- टिकट काउंटर
- स्मारिका दुकान एवं नारियल काउंटर आदि
- मुख्य प्रवेश द्वार और टिकट काउंटर का नवीकरण/उन्नयन

गुफाओं से सटी भूमि

- जलपान गृह
- वर्षा शरण स्थल
- प्रसाधनों का नवीकरण
- भूचित्रण आदि
- बैठने का स्थान (बेंच)

मौजूदा कक्ष ढांचा में विवेचन केन्द्र

पर्यटक की सुरक्षा और सूचना से संबंधित अन्य कार्य

- संकेतक
- सुरक्षा व्यवस्था जैसे कि मेटल डिटेक्टर, सी सी टी वी आदि।
- ध्वनिरहित जेनरेटर सेट
- पेयजल सुविधा (जलापूर्ति व्यवस्था का पता लगाना है, ट्यूब वेल आदि)
- रैम्प, रैलिंग, जहां भी अपेक्षित हो, बनाना।

बंगलोर के निकट भोगानंदीश्वर मंदिर :

9वीं से 15वीं सदी के बीच बना भोगानंदीश्वर मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से द्रविड़ शैली के सबसे महत्वपूर्ण नमूनों में से एक है। दुहरे महाद्वार के साथ 112.8 मी. ग 76.2 मी. क्षेत्र में अपने ही प्राकार से घिरा इस परिसर में भोगानंदीश्वर (उत्तर) और अरूणाचलेश्वर (दक्षिण) के रूप में शिव को

निशान की तरह खड़े हैं। उद्यान में स्थित स्मारक हैं – मोहम्मद शाह का मक़बरा, बड़ा गुम्बद, शीश गुम्बद, सिकन्दर लोधी का मक़बरा और आठपुला।

- **कृष्णा मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 12 जून, 2008

वित्तपोषक/भागीदार : हम्पी फाउण्डेशन और विश्व स्मारक निधि

परियोजना विवरण : कृष्णा मंदिर, हम्पी, कर्नाटक का विकास।

इस मंदिर का निर्माण राजा (कृष्णदेव राय) ने 1513 ई0 में कराया था। इस मंदिर में स्थापित मुख्य मूर्ति बालकृष्ण (भगवान कृष्ण का शिशु रूप) की प्रतिमा थी। यह मूर्ति अब राज्य संग्रहालय, चेन्नई में प्रदर्शित की गई है। यह ऐसे बहुत कम मंदिरों में से एक है जिनमें मीनार की दीवारों पर महागाथाएं उत्कीर्ण हैं। यह सचमुच विजयनगर युग के मंदिर का एक सही नमूना है।

कृष्णदेव राय द्वारा विजय और 16 फरवरी 1515 को इस मंदिर की प्रतिष्ठा को वर्णित करते हुए अभिलेख इस मंदिर के सामने शिलाखंड पर पाया गया हैं पूर्व गोमुरम के वृहत् ढ़ॉचे का केवल एक भाग मौजूद है, लेकिन इसके पश्चिम भाग पर कवच के साथ योद्धाओं, जीवंत घोड़ों एवं हाथियों के सूक्ष्म पलस्तर चित्र मौजूद हैं। यह संभवतः कृष्णदेव राय के उड़ीसा अभियान से जुड़े युद्ध के दृश्य को प्रदर्शित करता है।

प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर भगवान के दस अवतारों को प्रदर्शित करते हुए पौराणिक पशुओं पर खड़ी और फलक से भरी चित्रकारी पकड़ी हुई सुंदरता से गढ़ित अप्सराएं प्रदर्शित हैं। कृष्णपुर नाम उप–कस्बा इस मंदिर के आसपास विकसित है। सामने का बाजार अब भरा–पुरा धान का खेत है।

- **हिडिम्बा देवी मंदिर, मनाली, हिमाचल प्रदेश**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 15 जुलाई, 2008

वित्तपोषक/भागीदार : यूको बैंक/भारतीय पुरातत्व विभाग/राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण : हिडिम्बा देवी मंदिर में पर्यटक सुविधाओं का सुधार

हिडिम्बा देवी मंदिर मनाली में स्थित है जिसे **हिडिम्बा मंदिर** के नाम से भी जाना जाता है। यह भारतीय महाकाव्य महाभारत की एक देवी को समर्पित प्राचीन गुफा मंदिर है। यह मंदिर हिमालय की तलहटी में देवदार वन से घिरा हुआ है। यह मंदिर जमीन से निकली एक बड़ी चट्टान के ऊपर बना है, जिसकी पूजा एक देवी के रूप में की जाती थी। इस मंदिर का निर्माण 1553 में हुआ था।

हिडिम्बा देवी मंदिर में बारीक नक्काशी वाले लकड़ी के दरवाजे हैं और मंदिर के ऊपर लकड़ी का 24 मीटर ऊंचा 'शिखर' या मीनार है। इस मीनार में लकड़ी के पट्टों से ढकी हुई तीन चौकोर छतें हैं और चोटी पर चौथी शंक्वाकार छत पीतल की है। मुख्य द्वार की नक्काशी का मुख्य विषय पृथ्वी देवी दुर्गा है। काम के क्षेत्र को संशोधित करने के लिए समझौता ज्ञापन के शुद्धि पत्र पर भारतीय पुरातत्व विभाग,

राष्ट्रीय संस्कृति निधि और यूको बैंक ने हस्ताक्षर किए हैं।

- **आलमबाज़ार मठ, कोलकाता, पश्चिम बंगाल**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 14 अक्तूबर, 2008

वित्तपोषक/भागीदार : आलमबाज़ार मठ और राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण : आलमबाज़ार मठ का नवीकरण एवं पुनर्निर्माण।

आलमबाज़ार मठ की स्थापना फरवरी, 1892 ई. में हुई थी। यहां पर स्वामी अभेदानंद, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्णानंद, गौरीमा तथा अन्य शिष्य एकत्र हुए और ध्यान योग, धार्मिक अनुष्ठान, लोक कल्याण के कार्य एवं पूजा–पाठ में आध्यात्मिक जीवन गुजारे।

इस परियोजना के दो घटक हैं :

- आलमबाज़ार मठ का जीर्णोद्धार, नवीकरण और परिरक्षण
- मौजूदा स्कूल, औषधालय इत्यादि का पुनर्वास, दूसरे स्थान पर ले जाना/सुधार।

- **तुग़लक़ाबाद किला, नई दिल्ली**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 13 अप्रैल, 2009

वित्तपोषक/भागीदार : मैसर्स गेल इंडिया लिमिटेड/भारतीय पुरातत्व विभाग/राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण : तुग़लक़ाबाद किला का नवीकरण एवं रखरखाव।

मैसर्स गेल ने तुगलकाबाद किला परियोजना के लिए 30 लाख रु. का अंशदान दिया है और यह राशि राष्ट्रीय संस्कृति निधि के पास जमा करा दी है।

संरक्षण के लिए कार्य की मदों और अनुमानों को एस ए दिल्ली सर्कल द्वारा तैयार किया गया है और अनुमोदन के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग मुख्यालय में जमा किया गया है। स्थल पर अनुमोदित अनुमानों के आधार पर काम शुरू किया गया है और अच्छी तरह चल रहा है। काम पूरा होने वाला है।

- **इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर, कर्नाटक के बागों को हरा–भरा करना**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 11 दिसम्बर, 2009

वित्तपोषक/भागीदार : मैसर्स नौरस न्यास, भारतीय पुरातत्व विभाग, राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण : इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद, बीज़ापुर के बागों को हरा–भरा करना

कर्नाटक राज्य के बीज़ापुर जिले में स्थित मुहम्मद आदिल शाह (1626–56 ई.) का मक़बरा, गोल गुम्बद भारतीय–इस्लामिक वास्तुकला का एक महत्वपूर्ण स्मारक है। इस भवन में एक विशाल वर्गाकार कमरा है जिसकी प्रत्येक भुजा लगभग 50 मी. (160 फुट) की है और इसके ऊपर 37.9 मी. (124 फुट) व्यास का विशाल गुम्बद स्थित है जो इसे विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुम्बदाकार भवन बनाता है। गोल गुम्बद की सबसे दिलचस्प और उल्लेखनीय विशेषता इसकी ध्वनि प्रणाली है। इस इमारत के भीतर मुहम्मद आदिल शाह, उनकी दो पत्नियों, उप पत्नी, पुत्री और पौत्र की कब्रें हैं।

गोल गुम्बद परिसर में एक उत्कृष्ट जल आपूर्ति प्रणाली भी है जैसा कि जल कुण्डों, फब्बारों सह कुण्ड, लिफ्ट सह कुंड और कुंओं से प्रतीत होता है।

ये बाग स्मारक की डिजाइन के अभिन्न भाग थे, जैसा कि बीजापुर के बाहर स्थित जहां बेग़म (आदिल शाह की पत्नी) के अधूरे मक़बरे में प्रदर्शित किया गया है। मूल बागों को समझने का महत्व दिखाई पड़ने से कहीं आगे तक जाता है जैसा कि इब्राहिम रौज़ा जिसका समय–समय पर बाढ़ से नुकसान होता है और गोल गुम्बद जहां लॉन में पानी देने के कारण इमारत के तलघर में नमी आने से रिसाव, में प्रदर्शित होता है। इस परियोजना का उद्देश्य इस इमारत और बाग के बीच पुनः संबंध को यथासम्भव स्थापित करना है।

परियोजना के उद्देश्य –

- समकालीन उपयोगों और चिंताओं को ध्यान में रखते हुए इस ऐतिहासिक काल के भूपरिदृश्य संबंधी भावना और शैली को अपनाने के लिए इब्राहिम रौज़ा और गोल गुम्बद के बागों को हरा–भरा करना।
- इस अनुभव से ऐसी विधि का निर्माण करना जिसे इस क्षेत्र के अन्य बागों पर लागू किया जा सके। इसमें एक दल का गठन करना भी शामिल है जो इस युग के बागों का अध्ययन, विश्लेषण और संरक्षण कर सके।

- **राष्ट्रीय स्मारकों का संरक्षण**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 22 दिसम्बर, 2009

वित्तपोषक/भागीदार : मैसर्स एन टी पी सी/भारतीय पुरातत्व विभाग/राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण : निम्नलिखित स्मारकों का संरक्षण और विकास :

- **मांडू के स्मारक समूह**
- **ललितगिरि/धौली**
- **विक्रमशिला के उत्खनित क्षेत्र**

माण्डू के स्मारक समूह धार से लगभग 42 कि.मी. दक्षिण–पूर्व तथा मध्य प्रदेश की राजधानी, भोपाल से 300 कि.मी. दक्षिण–पश्चिम में स्थित है। किले की दीवार सहित 61 स्मारक भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा रक्षित हैं तथा इन्हें राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया गया है।

माण्डु में निम्नलिखित परियोजनाओं की पहचान की गई थी:

क. होशंग शाह के मकबरे का संरक्षण और परिरक्षण

ख. तावेरी महल में विवेचन केन्द्र

ग. उपयुक्त संकेतक

पूर्वी भाग का सामान्य दृश्य (संरक्षण के दौरान)

ललितगिरि प्रथम शताब्दी ई. का सबसे पुराना बौद्ध परिसर है जो राजसी अवशेषों के बीच स्थित है, यह अतीत

की गौरवमयी विरासत का साक्ष्य है। इस ग्रामीण क्षेत्र में ईंटों से निर्मित एक विशाल मठ, चैत्य हॉल के अवशेष, कई व्रतानुष्ठित स्तूप और पत्थर के नवीकृत स्तूप हैं।

प्रवेश द्वार से स्तूप तक सड़क का निर्माण

विक्रमशिला विश्वविद्यालय पाल वंश के दौरान भारत के दो सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध अध्ययन केन्द्रों में से एक था, दूसरा नालंदा विश्वविद्यालय था। नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की गुणवत्ता में तथाकथित कमी आने के प्रतिक्रियास्वरूप विक्रमशिला की स्थापना राजा धर्मपाल (783 से 820 ई.) ने कराय थी। विक्रमशिला बिहार में भागलपुर से लगभग 50 कि.मी. पूर्व दिशा में स्थित है।

- **अहोम स्मारक, असम का संरक्षण**

समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 29 जून, 2010

वित्तपोषक/भागीदार : ओ एन जी सी एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना का विवरण : असम के शिव सागर जिले में स्थिति निम्नलिखित चार अहोम स्मारकों का नवीकरण और अनुरक्षण :

- रंग घर
- कारेंग घर (गढ़गांव)
- तलातल घर (जयसागर)
- असम के शिवसागर जिले में चेराई देव स्थित मैदम समूह (कब्रगाह)

शिवसागर, भगवान शिव का सागर, भारत के असम राज्य के शिवसागर जिले में गुवाहाटी से लगभग 360 कि.मी. (224 मील) पूर्वोत्तर में एक कस्बा है। अपने इतिहास, संस्कृति और तालाबों के अलावा यह अहोम महलों और स्मारकों के लिए भी प्रसिद्ध है। इस स्थल के समीप ही ओ एन जी सी संयंत्र है।

क्षेत्रीय निदेशक, पूर्व और उसके दल के ज़रिए भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा परियोजना कार्यान्वित की जा रही है।

- **हजारद्वारी महल, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल**

समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 13 जुलाई, 2010

वित्तपोषक/भागीदार : भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना का विवरण : मुर्शिदाबाद में हजारद्वारी महल संग्रहालय का विकास एवं उन्नयन

हजारद्वारी महल नवाब नाज़िम हुमायूं जाह के समय के दौरान नव–शास्त्रीयशैली में निर्मित 41 एकड़ क्षेत्र में फैली तीन मंजिली इमारत है। इस महल की योजना समकालीन वास्तुकार कर्नल मैक्लेयोड डंकन ने 1829 से 1837 के बीच बनाई और कार्यान्वित की थी। इस आलीशान महल के भवन की मुख्य विशेषता है इसके सममितीय मोहरे (अग्रभाग) और डोरिक स्तम्भों पर सधे हुए त्रिभुजाकार त्रिकोणिका द्वारमण्डप तथा उत्तरी दिशा में स्थित आलीशान सीढ़ियों से इसके ऊपर चढ़ा जा सकता है। हजारद्वारी महल वर्ष 1977 में भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा राष्ट्रीय महत्व का केन्द्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था और इसके अन्दर बने संग्रहालय को 1985 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने पश्चिम बंगाल सरकार से अपने पास ले लिया था। कामशुरू किया गया है।

- **भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 26 मार्च, 2013

वित्तपोषक/भागीदार : श्रीमती उत्तरादेवी चैरिटेबल एंड रिसर्च फाउंडेशन/भारतीय पुरातत्व विभाग/राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण : भुलेश्वर मंदिर, पुणे, महाराष्ट्र का संरक्षण एवं विकास

भुलेश्वर मंदिर एक शिव मंदिर है जो 14वीं शताब्दी में मलशिरास गांव में निर्मित किया गया था। इसे चूना मसाला का इस्तेमाल करके पत्थर से बनाया गया है। भारतीय पुरातत्व विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक है। मंदिर के सम्मुख एक हाल अथवा सभामण्डप का निर्माण बाद में किया गया था, जबकि मंदिर के बाहरी भाग में सुंदर गढ़ित पैनल हैं। परियोजना एस. ए. मुंबई परिक्षेत्र,

भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, लाल किला, दिल्ली का उन्नयन

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 30 अक्तूबर, 2014

वित्तपोषक/भागीदार : भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

परियोजना विवरण : स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, लाल किला, दिल्ली का उन्नयन

परियोजना का उद्देश्य दर्शक सुविधाएं, संग्रहालय दुकान, संग्रहालय शिक्षा कार्यक्रमों सहित संग्रहालय अवसंरचना का उन्नयन और प्रदर्श, भंडार और संग्रहालय संकलन की प्रस्तुति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनना है।

स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय का दर्शन इस संग्रहालय को वस्तुतः आदर्श राष्ट्रीय संग्रहालय बनाना है जो भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी को प्रदर्शित करे और इसे अलग से शीर्ष सांस्कृतिक स्थल बनाना है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कहानी को कह सके। यह कल्पना की गई है कि संग्रहालय को पुनर्स्थापित और उन्नयन करने की यह पहल इसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक बनाएगा और इसके डिजाइन और कथन के जरिए आगंतुक को उसकी जानकारी देना है, जो आधुनिक भारतीय इतिहास में इसके स्थान को अंकित करेगा तथा राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम की भावना को ग्रहण करेगा जो स्वंप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत की आधारशिला के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। संग्रहालय लालकिला के ऐतिहासिक प्राकार के भीतर स्थापित है, जो एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है और एक ऐसा स्थल है, जो न केवल इतिहास में मुगलों के राजधानी के रूप में अत्यधिक महत्वपूर्ण है वरन् एक ऐसा भी स्थल है, जिसने 1857 में स्वतंत्रता के पहले संग्राम में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी और आज भी वह स्थल है जहां देश के प्रधानमंत्री प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय झंडा फहराते हैं।

संग्रहालय उन्नयन योजना के जरिए यह कल्पना की गई है कि इस स्थल का उपचार सावधानी से और संशोधित डिज़ाइन अनुभूति से की जाएगी जो वर्तमान संग्रहालय को उन्नत करने और नवीकृत करने हेतु और इसका उसी तरह के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय की स्थिति के रूप में प्रसार करने और इसे दुनिया भर के अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय के तुल्य बनाने के लिए इतिहास के प्रति संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए स्वस्थ सम्मान को संतुलित करता है।

नई भागीदारी के अंतर्गत

- **पुराना किला, नई दिल्ली का संरक्षण, विकास और अनुरक्षण**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 30.03.2017

वित्तपोषक/भागीदार : राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लि. (एन बी सी सी)

परियोजना विवरण : पुराना किला, नई दिल्ली का संरक्षण, विकास और अनुरक्षण

पुराना किला, नई दिल्ली में परियोजना के लिए भारतीय पुरातत्व विभाग – राष्ट्रीय संस्कृति निधि – एन बी सी सी के बीच समझौता ज्ञापन पर 30.03.2017 को हस्ताक्षर किया गया है। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य स्मारक क्षेत्र का विकास, स्मारक एवं संग्रहालय का रखरखाव, स्मारकों की बेहतर प्रस्तुति एवं संरक्षण सुनिष्चित करने के लिए विकास और पर्यटक से संबंधित विभिन्न सुविधाओं का विकास और इसके परिप्रेक्ष्य सहित स्मारक और इसके आसपास के इतिहास, विरासत मूल्य को उजागर करना है।

एन बी सी सी ''पुराना किला, नई दिल्ली का संरक्षण, विकास और अनुरक्षण'' की परियोजना के समर्थन के लिए सहमत है

और अपने सी एस आर के अंतर्गत अगले 5 वर्षों में 14.35 करोड़ रु. तक की निधि प्रदान करेगा। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा और समझौता ज्ञापन के पक्षों के परस्पर निर्णय पर और अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है।

- **भारतीय पुरातत्व विभाग के अंतर्गत 9 स्मारको पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन**

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 19.11.2017

वित्तपोषक/भागीदार : भारतीय अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल)

परियोजना विवरण : भारतीय पुरातत्व विभाग के अंतर्गत 9 स्मारको पर चक्रद्वार/टिकट प्रणाली का संस्थापन (9.3. 2016 को हस्ताक्षरित प्रछत्र समझौता ज्ञापन के तहत्)

सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण और रक्षण शुरू करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ), संस्कृति मंत्रालय और भारतीय अवसंरचना वित कंपनी लि. (आई आई एफ सी एल) के बीच 9 मार्च, 2016 को एक प्रछत्र समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया था। बाद में निम्नलिखित भारतीय पुरातत्व विभाग स्मारकों पर चक्रद्वार के साथ दर्शक प्रबंधन समाधान प्रदान करने और ऑनलाइन टिकट प्रणाली (ई–टिकट सुविधा) के साथ समेकन के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि – भारतीय पुरातत्व विभाग – आई आई एफ सी एल के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआः

- लाल किला, दिल्ली
- कुतुबमीनार, दिल्ली
- हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली
- पुराना किला, , दिल्ली
- ताजमहल, आगरा
- सूर्य मंदिर, कोणार्क
- एलोरा गुफाएं, औरंगाबाद
- बीबी का मकबरा, औरंगाबाद
- शनिवारवाड़ा, पुणे

चक्रद्वार टिकट प्रणाली को भारत अवसंरचना वित्त कंपनी लिमिटेड (आई आई एफ सी एल) की कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी एस आर) पहल के तहत् वित्तपोषित किया जा रहा है। यह प्रणाली निष्चित रूप से पहले की व्यवस्था की तुलना में कम समय में बहुत ही क्रमिक रूप से स्मारक परिसरों के भीतर दर्शकों को सुगम प्रवेश प्रदान करेगा। इस तरह का प्रौद्योगिकीय कार्यान्वयन स्थानीय और विदेशी दर्शकों के वर्तमान अनुभव को बढ़ाएगा और इसके साथ उक्त बिंदुओं से मानवशक्ति की संख्या को कम करने में समर्थ होगा।

कुतुब मीनार, नई दिल्ली में प्रवेश बिन्दु

कुतुब मीनार, नई दिल्ली में निकास बिंदु

- **सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय, वाराणसी (उ. प्र.) का उन्नयन**

भारतीय पुरातत्व विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 31.05.2017

वित्तपोषक/भागीदार : सोनी इंडिया प्रा. लि.

परियोजना विवरण : सारनाथ स्थल एवं संग्रहालय का उन्नयन

(राष्ट्रीय संस्कृति निधि – दानकर्त्ता के बीच 30.03.2016 को हस्ताक्षरित प्रछत्र संगम ज्ञापन के तहत्)

कार्य का लक्ष्य है –

- सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षा व्यवस्था (अद्यतन एनविट प्रणाली के साथ उन्नत सी सी टी वी का संस्थापन)
- संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर दर्शकों की तलाशी के लिए सुरक्षा एजेंसी से कार्मिक की नियुक्ति
- सारनाथ के उत्खनित अवशेशों के प्रवेश द्वार पर दर्शकों की तलाशी के लिए सुरक्षा एजेंसी से कार्मिक की नियुक्ति
- संग्रहालय में गृह व्यवस्था कर्मचारी
- सारनाथ के उत्खनित अवशेशों पर गृह व्यवस्था कर्मचारी
- पेड़ों के बीच दर्शकों के लिए बैठक प्लाज़ा को विकसित किया जाना है।
- विवेचन केन्द्र का उन्नयन
- संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर गढ़ितशेड

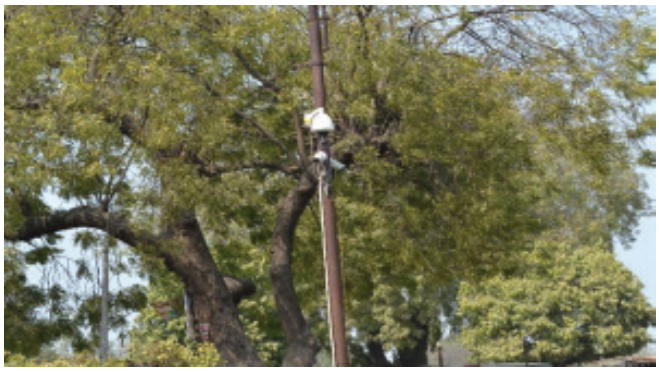

सीसीटीवी कैमरे का संस्थापन

अल्पकालिक परियोजनाएं

राष्ट्रीय संस्कृति निधि के कथित उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के पुनर्वास के लिए कलात्मक, वैज्ञानिक और तकनीकी समस्याओं पर अध्ययन एवं अनुसंधान आयोजित करना,
- सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में स्टाफ सदस्यों और व्यावसायिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना,
- सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और रिकार्डिंग के मौखिक और अन्य अमूर्त्त रूपों का संवर्धन करना,
- मूर्त्त एवं अमूर्त्त विरासत के संरक्षण और रक्षण के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से निधियों के सृजन के अलावा, राष्ट्रीय संस्कृति निधि ने विरासत परियोजनाओं में संस्थानों को सहायता भी दी है। इस श्रेणी में राष्ट्रीय संस्कृति निधि ने निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की हैं :

1. रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर, पुष्कर (राजस्थान) के लिए वृहत् परियोजना रिपोर्ट (डी पी आर) की तैयारी

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर :

वित्तपोषक/भागीदार : राष्ट्रीय संस्कृति निधि और मंदिर ट्रस्ट

परियोजना विवरण :

श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर में इस समय पूजा हो रही है और यह पुराना रंगजी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। यह 1844 में बना पुश्कर में सबसे पुराना द्रविड़ शैली का मंदिर है।

श्री रघुनाथ वेणुगोपाल मंदिर द्रविड़ मंदिर वास्तुकला और

राजस्थान वास्तुकला का एक उत्कृष्ट संयोजन है और इसमें चूना मसाला से बना सड़क और पुराने कलात्मक प्रतिमान के साथ आंतरिक मंदिर के चित्रित दीवारों सहित राजस्थान शैली में सज्जित और विशाल प्रवेश द्वार और बाहरी परिक्रमा पथ है। मंदिर का आवासीय परिसर 90,000 वर्ग फीट से अधिक के क्षेत्र में फैला हुआ है।

दक्षिण भारतीय वास्तुकला शैली और राजस्थानी शैली में निर्मित मंदिर परिसर धार्मिक और मिथक कहानियों में चित्रकारी के साथ अलंकृत डिज़ाइन से भरा–पड़ा है। दीवारों पर शेखावटी क्षेत्र का महत्वपूर्ण भित्ति चित्र परम्परा अंकित है।

ये क्षरण की स्थिति में है और विस्तृत अध्ययन से पहले परिरक्षण और संरक्षण हेतु तुरंत ऐहतियात बरतने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय संस्कृति निधि की लघु अनुदान योजना के तहत् पुष्कर राजस्थान स्थित पुराना रंगजी मंदिर के संरक्षण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी हेतु राष्ट्रीय संस्कृति निधि और मै. द्रोहर (परामर्शदाता) के बीच समझौता ज्ञापन पर 14.10.2014 को हस्ताक्षर किया गया है।

पुराना रंगजी मंदिर

अल–गिला में भित्ति चित्र

2. नालंदा स्थल संग्रहालय, बिहार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी

मंदिर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : 16 अप्रैल, 2015

वित्तपोशक/भागीदार : राष्ट्रीय संस्कृति निधि

परियोजना विवरण :

संरक्षण हस्तक्षेप शुरू करके स्थल के महत्व को बढ़ाने के एकल उद्देश्य के साथ मै. एस्ट्रो लिंक्स (परामर्शदाता) के जरिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार किया जा रहा है, जो न केवल इसके महत्त्व की रक्षा करेगा वरन् इसके दर्शकों को समग्र एवं प्रामाणिक अनुभव भी प्रदान करेगा।

नालंदा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों रूप से एक महत्वपूर्ण स्थल है। प्रतिवर्श औसत 2.5 लाख दर्शकों के आगमन के साथ यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि इसके महत्व को दर्शकों को अच्छी तरह विवेचित किया जाए।

वर्तमान स्थल संग्रहालय संभवतः खुदाई स्थल पर पुरातत्वविदों के कार्य के लिए 1915 में एक अतिथि गृह के रूप में बनाया गया था। इसे 1917 में नालंदा तथा राजगीर से उत्खनित पुरावस्तुओं को रखने के लिए संग्रहालय में परिवर्तित किया गया था। इसके बाद इसे 1956 में नवीकृत किया गया। 390 वर्ग मी. के कवरेज क्षेत्र और लगभग 13,463 कला तथ्यों के साथ यह संग्रहालय भवन निश्चित रूप से पर्याप्त नहीं है।

भवन के भौतिक ढांचे को संरक्षित करने और संग्रहालय के मूल तंतु की रक्षा हेतु केवल न्यूनतम हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एनेक्सी खंड प्रमुख रूप से दर्शक विवेचन और सुविधा को पूरा करेगा। इसमें टिकट काउंटर, विवेचन केन्द्र, अमानती सामान घर, संग्रहालय दूकान, बाल शिक्षा क्षेत्र आदि जैसा कार्य होगा।

नालंदा संग्रहालय को 'स्थल संग्रहालय' के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह किसी संग्रहालय से बहुत अलग है। इस पहलू को बढ़ाया जाना चाहिए और डिज़ाइन हस्तक्षेपों के ज़रिए अच्छी तरह विवेचित किया जाना चाहिए। स्थल संग्रहालय में अवशेषों/अन्वेशणों को बहुत ही सावधानी से प्रदर्शित किया जाना चाहिए ताकि स्थल के साथ उसके संबंध को दर्शकों द्वारा आसानी से समझा जा सके।

यह परियोजना भारत की संपन्न सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के राष्ट्रीय संस्कृति निधि का एक भाग है। यह पहल विचारों के आदान–प्रदान और विधाओं के वृहत् रेंज जैसे कि पुरावशेष परिरक्षण, संरक्षण प्रदर्शन, पुरातत्व, कला इतिहास, ऐतिहासिक भवन संरक्षण, संग्रहालय विज्ञान, प्रलेखन, ढांचागत और सिविल इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन, भूपरिदृश्य डिज़ाइन, कलाकारों, अन्यों के साथ–साथ घटक लेखक को कवर करते हुए अनुभवी बहु–विषयक दल द्वारा इसके कार्यान्वयन के लिए मंच प्रदान करता है।

1. **सीसीटीवी कैमरे का संस्थापन**

टकयोन नेटवर्क प्रा.लि. लक (आउटसोर्सिंग एजेंसी) के प्रतिनिधि ने 70 सी सी टी वी कैमरे के संस्थापन का काम पूरा कर लिया है।

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि के लेखा प्रतिवेदन पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक मसौदा लेखा–परीक्षा प्रतिवेदन

हमने नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ) के संलग्न तुलन पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2020–21 तक की अवधि के लिए सौपी गई है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय संस्कृति निधि प्रबंधन की जिम्मेवारी है। हमारी जिम्मेवारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करनी है।

2. इस पृथक मसौदा लेखा परीक्षा में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन पद्धतियों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानदंड और प्रगटन मानकों आदि के संबंध में केवल लेखांकन व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी शामिल है। विधि, नियम एवं विनियम (मालिकाना एवं विनियामक) के अनुपालन और दक्षता–सह–निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो, के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा टिप्पणियां अलग से निरीक्षण रिपोर्टों/कैग के लेखा परीक्षा रिपोर्टों के जरिए सूचित की जाती है।

3. हमने सामान्यतया भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षण मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में यह अपेक्षा है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक मिथ्या विवरणों से मुक्त हैं, लेखा परीक्षा का नियोजन और निष्पादन करते हैं। लेखा परीक्षा में शामिल है : जांच आधार पर परीक्षण, राशियों का समर्थनकारी साक्ष्य और वित्तीय विवरण का प्रगटन। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और किए गए पर्याप्त आकलनों का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करता है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के लिए अनिवार्य थे।

ii) इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित लेखाओं के सामान्य फॉर्मेट में तैयार नहीं किया गया है।

iii) हमारी राय में राष्ट्रीय संस्कृति निधि द्वारा अपेक्षित लेखा बहियां और अन्य संगत रिकार्ड रखे गए हैं, जहां तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से पता चलता है।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

क. तुलन पत्र

क. 1 देयताएं

क.1.1 चालू देयताएं एवं प्रावधन (अनुसूची–5) रु.35.09 लाख

क.1.1.1 चौधरी चरण सिंह की जन्म शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए वर्ष 2002–03 और 2003–04 के दौरान प्राप्त

रु.100.98 लाख की अव्ययित राशि मंत्रालय को मई, 2014 में लौटाई गई, तथापि, एन सी एफ ने अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज की राशि को वापस नहीं किया। इस खाते पर अर्जित ब्याज को भी वार्षिक लेखे में अलग से नहीं दर्शाया गया। इसका परिणाम उक्त सीमा तक देयता की कम अभिव्यक्ति और कॉरपस निधि की अधिक अभिव्यक्ति हुई। इस मामले को पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी सूचित किया गया था, तथापि एन सी एफ द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

क.1.1.2 अनुसूची–3 के अनुसार रु.7.42 लाख की राशि राष्ट्रीय संग्रहालय को देय दर्शाई गई और रु.4.62 लाख की राशि प्राप्त अग्रिम शीर्ष के अंतर्गत दर्शाई गई। तथापि, इसका अवधि–वार ब्यौरा और देयता को समाप्त नहीं करने का कारण लेखा परीक्षा को नहीं दिया गया।

इन अव्ययित शेषों पर प्राप्त ब्याज को वार्षिक लेखे में अलग से नहीं दर्शाया गया। इसका परिणाम इन शेषों पर अर्जित ब्याज की राशि तक और उक्त सीमा तक देयता की कम अभिव्यक्ति और कॉरपस कोष की अधिक अभिव्यक्ति हुई। इस मामले को पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी सूचित किया गया था, तथापि एन सी एफ द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

क.2 परिसंपत्तियां :

क.2.1 नियत परिसंपत्तियां (अनुसूची–4) रु.24.92 लाख

क.2.1.1 एन सी एफ ने आई एन ए, नई दिल्ली में नए कार्यालय में फर्नीचर एवं साजो–सामान प्रदान करने के लिए जून, 2014 के दौरान के.लो.नि.वि. को रु.25.00 लाख की राशि निर्मुक्त की। इस राशि को नियत परिसंपत्तियों के जोड़ के रूप में दर्शाई गई और 2014–15 के दौरान रु.2.50 लाख की ह्रास प्रभारित की गई। चूंकि काम पूरा नहीं हुआ, इसे कार्य चल रहा है के रूप में प्रदर्शित किया जाना चाहिए था। इसका परिणाम रु. 2.50 लाख तक नियत परिसंपत्तियों और कॉरपस कोष की कम अभिव्यक्ति हुई। इस मामले को पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी सूचित किया गया था, तथापि एन सी एफ द्वारा कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

क.2.1.2 एन सी एफ ने फर्नीचर एवं साजो–सामान प्रदान करने के लिए दिसम्बर, 2015 में सी पी डब्ल्यू डी को रु.18.32 लाख की राशि का भुगतान किया। इस राशि का वर्ष 2015–16 के वार्षिक लेखे में राजस्व व्यय (मरम्मत एवं अनुरक्षण) के रूप में बुक किया गया। चूंकि किया गया खर्च पूंजी प्रकृति का था, उसे व्यय (प्रशासनिक व्यय) के बजाय नियत परिसंपत्तियों में बुक किया जाना चाहिए था। इसका परिणाम रु.18.32 लाख तक नियत परिसंपत्तियों की कम अभिव्यक्ति और व्यय की अधिक अभिव्यक्ति हुई। इस मामले को पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी उठाया गया था।

क.2.1.3 इसी तरह, एनसीएफ ने अपने कार्यालय में वेब कैम और हेडफोन की आपूर्त्ति और संस्थापन के लिए मै. एपीएल कंप्यूटर्स को रु.8480 का भुगतान किया। इसे व्यय (प्रशासनिक व्यय) में बुक किया। चूंकि किया गया खर्च पूंजी प्रकृति का था, उसे प्रशासनिक व्यय के बजाय नियत परिसंपत्तियों में बुक किया जाना चाहिए था। इसका परिणाम रु.8480 तक नियत परिसंपत्तियों और इसी राशि की पूंजी निधि की कम अभिव्यक्ति हुई।

क.2.1.4 एनसीएफ ने फरवरी 2016 में रु.8400 का एक फैक्स मशीन खरीदा लेकिन रु.630 के ह्रास को परिसंपत्ति पर प्रभारित नहीं किया। इसका परिणाम रु.630 तक नियत परिसंपत्तियों और इसी राशि की पूंजी निधि की अधिक अभिव्यक्ति हुई।

क.2.2 चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम आदि (अनुसूची–5) – रु.6290.40 लाख

क.2.2.1 रु.15.83 करोड़ की राशि को 'चालू परिसंपत्तियां ऋण एवं अग्रिम' (अनुसूची–5) के अंतर्गत नियत परिसंपत्ति – परियोजनाओं के रूप में दर्शाया गया है, जबकि उसे लेखाओं के सामान्य फॉर्मेट के अनुसार अनुसूची–9 में 'उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि' के रूप में दर्शाना जाना चाहिए था। इसका परिणाम रु.15.83 करोड़ की चालू परिसंपत्तियों, ऋण एवं अग्रिम की अधिक अभिव्यक्ति और इसी राशि की उद्दिष्ट निधियों से निवेश की कम अभिव्यक्ति हुई। इसे पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी इंगित किया गया था, लेकिन उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

ख. आय एवं व्यय लेखा

ख.1 आय – रु.348.637 लाख

ख.1.1 23 जुलाई, 2013 को आयोजित एन सी एफ की कार्यकारी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि एन सी एफ द्वारा शुरू की जाने वाली सभी नई परियोजनाओं पर परियोजना लागत का 5 प्रतिशत परियोजना प्रबंधन/प्रशासनिक प्रभार शुरू किया जाए। तदनुसार, अक्तुबर, 2014 से मार्च, 2016 के दौरान भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनांस कम्पनी लि. एवं सोनी इंडिया प्रा. लि. के साथ हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन में 5 प्रतिशत प्रशासनिक प्रभार लेने की शर्त जोड़ी गई। सभी तीन परियोजनाओं के लिए कुल वचनबद्ध परियोजना राशि रु.890 लाख थी। इसमें से रु.730 लाख की राशि (2014–15 में रु.40 लाख और 2015–16 में रु.690 लाख) एनसीएफ द्वारा प्राप्त की गई। इनका ब्यौरा संलग्नक–1 में दिया गया है। रु. 730 लाख का 5 प्रतिशत होने के कारण रु. 36.50 लाख रु. की परियोजना प्रबंधन/प्रशासनिक प्रभार की प्राप्त राशि को वार्षिक लेखे में एन सी एफ की आय में नहीं दर्शाया गया। इसका परिणाम रु.36.50 लाख की अन्य आय और इसी राशि की कॉरपस निधि की कम अभिव्यक्ति हुई। इस मामले को पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी उठाया गया था।

ग. सामान्य

ग.1 तुलन पत्र की अनुसूची–5 के अनुसार रु.5215.00 लाख (रु.1351.59 लाख परियोजना खाते से और रु.3863.42 लाख एन सी एफ के प्रधान कार्यालय से) का एफ डी आर किया गया, जिसके लिए निवेश रजिस्टर रखना अपेक्षित था। लेखा परीक्षा ने नोट किया कि निवेश का रजिस्टर अनुपयुक्त था क्योंकि रजिस्टर में अपेक्षित सभी प्रविष्टियां नहीं की गई थी। इस मामले को पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी उठाया गया था।

ग.2 एन सी एफ ने अपनी स्थापना से उप–नियम नहीं बनाए थे। यह अधिकारियों के विनियम, प्रबंधन, नियुक्ति और उनकी निबंधन एवं शर्तों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अनुमोदित योजना के अनुरूप नहीं था। इसे पिछले वर्ष के रिपोर्ट में भी इसे इंगित किया गया था लेकिन एन सी एफ द्वारा कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया।

ग.3 एन सी एफ ने नियत परिसंपत्ति रजिस्टर तैयार नहीं किया था। एन सी एफ ने केवल नियत परिसंपत्तियों का एक कंप्यूटरीकृत विवरण प्रस्तुत किया है, जिसे ह्रास राशि की गणना की सुविधा के लिए चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा तैयार किया गया था।

ग.4 एन सी एफ में वाऊचरों के अनुरक्षण की उपयुक्त प्रणाली मौजूद नहीं है। मार्च 2016 माह के लिए वाउचरों की जांच से निम्नलिखित त्रुटियां सामने आईं :

i) भारत सरकार के प्राप्ति एवं भुगतान नियमों के नियम 59 में उल्लिखित निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार वाउचरों को अनुरक्षित नहीं किया गया।

ii) वाउचर स्वीकृतियों और भुगतान ब्यौरे द्वारा समर्थित नहीं थे।

iii) वाउचर किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित नहीं थे।

उपर्युक्त के मद्देनजर लेखा परीक्षा को उपलब्ध कराए गए वाउचर पर लेखा परीक्षा में ध्यान नहीं दिया जा सका।

ग.5 एन सी एफ ने उपभोग्य और गैर उपभोग्य मदों का स्टॉक रजिस्टर नहीं रखा।

घ. सहायता अनुदान

एन सी एफ को रु.1950 लाख की एकमुश्त कॉरपस निधि द्वारा वित्त पोषित किया गया। वर्ष 2016–17 के प्रारंभ में एन सी एफ के पास रु.4266.79 लाख की कॉरपस निधि थी। इसने वर्ष के दौरान निधि के निवेश पर रु.333.32 लाख का ब्याज अर्जित किया। इसे वर्ष के दौरान रु.15.35 लाख की विविध प्राप्ति हुई। उपलब्ध निधियों में से इसने रु.89.84 लाख का उपयोग किया और रु.258.83 लाख के अव्ययित शेष को कारपस निधि में अंतरित कर दिया। वर्ष के अंत में एन सी एफ के पास रु.4525.62 लाख की कारपस निधि थी।

v. पूर्ववर्ती पैरा में हमारी टिप्पणियों के अध्यधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा डील किया गया तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा बहियों के अनुरूप है।

vi. हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर नोटों के साथ पठित और ऊपर कथित महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सत्य और ठीक तस्वीर पेश करता है;

(क) जहां तक कि इसका संबंध 31 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय संस्कृति निधि के कार्य स्थिति के तुलन पत्र से है, और

(ख) जहां तक इसका संबंध उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अतिरेक के आय एवं व्यय लेखा से है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षा के लिए एवं उनकी ओर से

ह0/–
महानिदेशक, लेखा परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26.6.2018

अनुबंध

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

वर्ष 2016–17 के लिए एन सी एफ की आंतरिक लेखा परीक्षा का आयोजन नहीं किया गया।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

बाह्य लेखा परीक्षा आपत्तियों पर प्रबंधन का प्रत्युत्तर प्रभावी नहीं था क्योंकि 2002–03 से 2014–15 तक की अवधि के लिए 31 निरीक्षण रिपोर्ट पैरे बकाए थे।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

मार्च 2017 तक स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। तथापि, एन सी एफ ने लेखा परीक्षा को भौतिक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया।

4. वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

मार्च, 2017 तक लेखन सामग्री और उपभोग्य मदों का भौतिक सत्यापन आयोजित किया गया है। तथापि, एन सी एफ ने लेखा परीक्षा को भौतिक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किया।

5. सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमितता

31.03.2017 को सांविधिक बकायों जैसे कि आय कर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उप कर एवं अंशदायी भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा के संबंध में छह माह से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

संलग्नक–1
(राशि रु. में)

क्र. सं.	दाता का नाम	उद्देश्य	एम ओ यू की तिथि	वचनबद्ध राशि	प्राप्त राशि	प्राप्त राशि का 5 प्रतिशत
1.	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल)	स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के ए एस आई स्थल संग्रहालय का नवीनीकरण	30.10.2014	20000000 तक	4000000	200000
2.	इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फायनांस कंपनी लि. (आईआईएफसीएल)	एन सी एफ द्वारा सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण	09.03.2016	50000000	50000000	2500000
3.	सोनी इंडिया प्रा. लि.	एन सी एफ द्वारा सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण	30.03.2016	19000000	19000000	950000
	कुल			**232500000**	**103000000**	**5150000**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि का लेखा विवरण वित्त वर्ष 2016-17

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

कार्पस/पूंजीगत निधि तथा देयताएं	अनुसूची	31.03.2017	31.03.2016
कार्पस/पूंजीगत निधि	1	452,562,342	426,679,530
उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	2	237,574,974	201,343,044
चालू देयताएं और प्रावधान	3	3,375,370	3,508,684
कुल		**693,512,686**	**631,531,258**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	4	2,229,521	2,491,532
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	5	691,283,165	629,039,725
कुल		**693,512,686**	**631,531,258**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	13		
आकस्मिक देयताओं और लेखाओं पर टिप्पणियां	14		

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट
समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण सं. 015053एन)

कृते राष्ट्रीय संस्कृति निधि
की ओर से

विपुल कुमार (भागीदार)
एम. एन. : 094803
स्थान : नई दिल्ली

(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)
दिनांक : 29.12.2017

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2017 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	31.03.2017	31.03.2016
अर्जित ब्याज	6	33,331,855.00	33,531,966
अनुदान एवं सहायिकी	7	1,531,600.00	-
अन्य आय	8	3,283.00	12,000
कुल (क)		**34,866,738.00**	**33,543,966**
व्यय			
स्थापना व्यय	9	4,478,517.00	3,778,200
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	10	2,590,607.00	5,397,085
अनुदान, सहायिकी आदि पर व्यय	11	1,531,600.00	720,989
ब्याज	12	121,191.00	6,352
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में निवल कुल योग – अनुसूची 4 के अनुरूप)	14	262,011.00	297,380
कुल (ख)		**8,983,926.00**	**10,200,006**
व्यय की तुलना में अधिक आय के कारण शेष (क–ख)		25,882,812.00	23,343,960
विशेष आरक्षित निधि में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य आरक्षित निधि को/से अंतरण		-	-
अधिक/कम शेष के कार्पस/पूंजीगत निधि में ले जाया गया		25,882,812.00	23,343,960
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	13	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियां	14	-	-

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट
समसंख्यक तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्टानुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण सं. 015053एन)

विपुल कुमार (भागीदार)
एम. एन. : 094803
स्थान : नई दिल्ली

कृते राष्ट्रीय संस्कृति निधि
की ओर से

(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)
दिनांक : 29.12.2017

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – कार्पस/पूंजीगत निधि	31.03.2017		31.03.2016	
वर्ष के प्रारंभ में शेष		426,679,530		403,335,570
जोड़ें – कार्पस/पूंजीगत निधि में अंशदान	-		-	
जोड़ें/(घटाएं) – आय और व्यय लेखा से अंतरित निवल आय/व्यय का शेष	25,882,812		23,559,567	
घटाएं : अलग संयुक्त बैंक खाते में अंतरित राशि		25,882,812		23,343,960
वर्ष के अंत में शेष		**452,562,342**		**426,679,530**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 2 – उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	निधि वार ब्यौरा				
	निधि WW	निधि XX	निधि YY	31.03.2017	31.03.2016
क) निधि का आरंभिक शेष	संलग्न अनुबंध के अनुसार			201,343,044	124,698,055
ख) निधि में परिवर्धन					
i. दान/अनुदान				32,550,892	-
ii. निधियों में से किए गए निवेशों से आय				16,860,470	110,834,022
iii. अन्य परिवर्धन (स्वरूप का उल्लेख करें)				-	3,531,172
कुल (ख)				**49,411,362**	**114,365,194**
कुल (क+ख)				**250,754,405**	**239,063,249**
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय	संलग्न अनुबंध के अनुसार				
i. **पूंजीगत व्यय**					
– स्थायी परिसंपत्तियां				.	
– अन्य				.	
योग				-	
ii. **राजस्व व्यय**	संलग्न अनुबंध के अनुसार				
– वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि				.	
– किराया				.	
– अन्य प्रशासनिक व्यय				9,315	-
– परियोजना व्यय				13,170,116	37,720,205
योग				**13,179,431**	**37,720,205**
योग (ग)				**13,179,431**	**37,720,205**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)				**237,574,974**	**201,343,044**

टिप्पणी :

1. अनुदानों से संबद्ध शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अधीन प्रकटन किया जाएगा।

2. केन्द्रीय/राज्य सरकारों से प्राप्त योजना गत निधियां पृथक निधि के रूप में दर्शायी जाएगी और उन्हें किसी अन्य निधि के साथ नहीं मिलाया जाएगा।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अनुसूची–2 का अनुबंध

अनुसूची–2 उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि निधि–वार ब्यौरा

(राशि रुपयों में)

	बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर	हुमायूं का मक़बरा परियोजना, दिल्ली	जंतर मंतर परियोजना, दिल्ली	ज्ञान प्रवाह परियोजना, कोलकाता	किष्किन्धा ट्रस्ट परियोजना	रमण महर्षि परियोजना भाग–1	शनिवारवाड़ा, पुणे परियोजना	राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना	डी. जी. जैसलमेर किला परियोजना	देवाहुति दामोदर स्वराज ट्रस्ट परियोजना	लोधी मक़बरा परियोजना
चालू वर्ष	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**123,049**	**19,394**	**746,369**	**16,953**	**54,599**	**1,056**	**2,020,079**	**1,078,092**	**61,078,088**	**8,693**	**3,201,751**
ख. निधि में परिवर्धन											
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	223,766		-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	5,006	986	37,880	-	2,224	131	102,279	43,775	6,879,823	352	160,543
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-				-				
कुल (ख)	**5,006**	**986**	**37,880**	**-**	**2,224**	**131**	**326,045**	**43,775**	**6,879,823**	**352**	**160,543**
कुल (क+ख)	**128,055**	**20,380**	**784,249**	**16,953**	**56,823**	**1,187**	**2,346,124**	**1,121,867**	**67,957,910**	**9,045**	**3,362,294**
ग निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय											
- अन्य प्रशासनिक व्यय		-	-	-	-	-		-	-	-	-
- परियोजना व्यय	-	-	-	633	-	-	327,021	-	3,394,452	62	-
कुल	-	-	-	**633**	-	-	**327,021**	-	**3,394,452**	**62**	-
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	**633**	**-**	**-**	**327,021**	**-**	**3,394,452**	**62**	**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**128,055**	**20,380**	**784,249**	**16,321**	**56,823**	**1,187**	**2,019,104**	**1,121,867**	**64,563,459**	**8,983**	**3,362,294**
निधियों का योग	**128,055**	**20,380**	**784,249**	**16,321**	**56,823**	**1,187**	**2,019,104**	**1,121,867**	**64,563,459**	**8,983**	**3,362,294**
गत वर्ष	**1**	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**118,275**	**18,641**	**717,396**	**17,583**	**52,535**	**1,011**	**2,107,707**	**1,036,117**	**57,862,904**	**8,377**	**3,077,423**
ख) निधि में परिवर्धन											
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	4,774	753	28,973	-	2,121	45	459,145	41,975	3,215,218	336	124,328
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-				-				
कुल (ख)	**4,774**	**753**	**28,973**	**-**	**2,121**	**45**	**459,145**	**41,975**	**3,215,218**	**336**	**124,328**
कुल (क+ख)	**123,049**	**19,394**	**746,369**	**17,583**	**54,656**	**1,056**	**2,566,852**	**1,078,092**	**61,078,122**	**8,713**	**3,201,751**
ग निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय											
-अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- परियोजना व्यय	-	-	-	630	57	-	546,773	-	34	20	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**630**	**57**	**-**	**546,773**	**-**	**34**	**20**	**-**
कुल (ग)	**-**	**-**	**-**	**630**	**57**	**-**	**546,773**	**-**	**34**	**20**	**-**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**123,049**	**19,394**	**746,369**	**16,953**	**54,599**	**1,056**	**2,020,079**	**1,078,092**	**61,078,088**	**8,693**	**3,201,751**
निधियों का योग	**123,049**	**19,394**	**746,369**	**16,953**	**54,599**	**1,056**	**2,020,079**	**1,078,092**	**61,078,088**	**8,693**	**3,201,751**

	लौरिया नंदनगढ़ परियोजना – बोकारो स्टील प्लान्ट	आलमबाज़ार मठ, कोलकाता परियोजना	हिडिम्बा देवी मंदिर परियोजना, मनाली	गोल गुंबद, बीजापुर–स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन परियोजना	वज़ीरपुर का गुंबद – पी ई सी परियोजना	तुग़लक़ाबाद किला परियोजना	हम्पी फाउंडेशन परियोजना	इंडियन ऑयल फाउंडेशन परियोजना	किशोरी अमोनकर पर वृत्तचित्र परियोजना	हज़ारद्वारी, मुर्शिदाबाद परियोजना
चालू वर्ष	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**2,976,829**	**7,968,725**	**2,609,475**	**12,675**	**143,229**	**829,860**	**277,967**	**12,991,200**	**14,213**	**967,070**
ख. निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii निधि में किए गए निवेशों से आय	121,208	406,669	106,250	635	7,182	48,040	11,317	607,384	-	64,610
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-				-			
कुल (ख)	**121,208**	**406,669**	**106,250**	**635**	**7,182**	**48,040**	**11,317**	**607,384**	**-**	**64,610**
कुल (क+ख)	**3,098,037**	**8,375,394**	**2,715,725**	**13,310**	**150,411**	**877,900**	**289,284**	**13,598,584**	**14,213**	**1,031,680**
ग निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	633		- -	-	633
- परियोजना व्यय	-	51			-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**51**	**-**	**-**	**-**	**633**	**-**	**-**	**-**	**633**
कुल (ग)	**-**	**51**	**-**	**-**	**-**	**633**	**-**	**-**	**-**	**633**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**3,098,037**	**8,375,343**	**2,715,725**	**13,310**	**150,411**	**877,268**	**289,284**	**13,598,584**	**14,213**	**1,031,048**
निधियों का योग	**3,098,037**	**8,375,343**	**2,715,725**	**13,310**	**150,411**	**877,268**	**289,284**	**13,598,584**	**14,213**	**1,031,048**
गत वर्ष	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**	**19**	**20**	**21**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**2,861,236**	**9,473,708**	**2,508,146**	**12,182**	**137,667**	**778,099**	**950,416**	**12,484,288**	**14,213**	**901,160**
ख) निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान -	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	115,593	495,017	101,329	493	5,562	52,391	35,251	506,912	-	66,540
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-				-			
कुल (ख)	**115,593**	**495,017**	**101,329**	**493**	**5,562**	**52,391**	**35,251**	**506,912**	**-**	**66,540**
कुल (क+ख)	**2,976,829**	**9,968,725**	**2,609,475**	**12,675**	**143,229**	**830,490**	**985,667**	**12,991,200**	**14,213**	**967,700**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- परियोजना व्यय	-	2,000,000			-	630	707,700			630
कुल	**-**	**2,000,000**			**-**	**630**	**707,700**			**630**
कुल (ग)	**-**	**2,000,000**			**-**	**630**	**707,700**			**630**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**2,976,829**	**7,968,725**	**2,609,475**	**12,675**	**143,229**	**829,860**	**277,967**	**12,991,200**	**14,213**	**967,070**
निधियों का योग	**2,976,829**	**7,968,725**	**2,609,475**	**12,675**	**143,229**	**829,860**	**277,967**	**12,991,200**	**14,213**	**967,070**

	नौरस न्यास परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि – एन टी पी सी परियोजना	श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म की परियोजना	ओ एन जी सी – राष्ट्रीय संग्रहालय परियोजना	रीच प्रतिष्ठान परियोजना	एम एस आर वी एम पुराना पुष्कर परियोजना	एस सी आई महाबलीपुरम् परियोजना	अहोम स्मारक परियोजना	इंडिया फोटो अभिलेख प्रतिष्ठान परियोजना	एन टी पी सी नागरिक सेवा मंडल परियोजना	वी सी एफ आर ई सी परियोजना
चालू वर्ष	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**	**31**	**32**
क. निधि का प्रारंभिक शेष	**1,275,578**	**1,639,080**	**1,411,141**	**10,781**	**26,503**	**46,805**	**353,356**	**20,292,578**	**79,239**	**435,536**	**322,789**
ख. निधि में परिवर्धन											
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii निधि में किए गए निवेशों से आय	86,539	102,389	96,196	-	-	5,000	19,774	2,323,119	1,416	-	-
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ख)	**86,539**	**102,389**	**96,196**	**-**	**-**	**5,000**	**19,774**	**2,323,119**	**1,416**	**-**	**-**
कुल (क+ख)	**1,362,117**	**1,741,469**	**1,507,337**	**10,781**	**26,503**	**51,805**	**373,130**	**22,615,697**	**80,655**	**435,536**	**322,789**
ग निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय											
- अन्य प्रशासनिक व्यय	633	633	633	633	633	633	633	1,093	633	-	633
- परियोजना व्यय	-	-	-	-	-	-	-	5,000,000	-		- -
कुल	**633**	**633**	**633**	**633**	**633**	**633**	**633**	**5,001,093**	**633**	**-**	**633**
कुल (ग)	633	633	633	633	633	633	633	5,001,093	633	-	633
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,361,485**	**1,740,837**	**1,506,705**	**10,149**	**25,871**	**51,173**	**372,498**	**17,614,605**	**80,023**	**435,536**	**322,157**
निधियों का योग	**1,361,485**	**1,740,837**	**1,506,705**	**10,149**	**25,871**	**51,173**	**372,498**	**17,614,605**	**80,023**	**435,536**	**322,157**
गत वर्ष	**22**	**23**	**24**	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**	**31**	**32**
क) निधि का प्रारंभिक शेष	**1,183,878**	**1,528,104**	**1,311,185**	**11,411**	**27,133**	**5,522**	**329,373**	**16,840,683**	**78,335**	**435,536**	**1,902,490**
ख) निधि में परिवर्धन											
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	92,330	25,111,606	100,586			42,025	24,613	-	1,534	4,920,929	
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	3,452,525	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-				-				
कुल (ख)	**92,330**	**25,111,606**	**100,586**	**-**	**-**	**42,025**	**24,613**	**3,452,525**	**1,534**	**-**	**4,920,929**
कुल (क+ख)	**1,276,208**	**26,639,710**	**1,411,771**	**11,411**	**27,133**	**47,547**	**353,986**	**20,293,208**	**79,869**	**435,536**	**6,823,419**
ग) निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय											
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- परियोजना व्यय	630	25,000,630	630	630	630	742	630	630	630		6,500,630
कुल	**630**	**25,000,630**	**630**	**630**	**630**	**742**	**630**	**630**	**630**		**6,500,630**
कुल (ग)	**630**	**25,000,630**	**630**	**630**	**630**	**742**	**630**	**630**	**630**		**6,500,630**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,275,578**	**1,639,080**	**1,411,141**	**10,781**	**26,503**	**46,805**	**353,356**	**20,292,578**	**79,239**	**435,536**	**322,789**
निधियों का योग	**1,275,578**	**1,639,080**	**1,411,141**	**10,781**	**26,503**	**46,805**	**353,356**	**20,292,578**	**79,239**	**435,536**	**322,789**

	हुडको सुंदरवाला परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि एन टी पी सी जंतर मंतर परियोजना	श्रीमती उत्तरादेवी न्यास परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि नवेली निग्नाइट परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि भेल एस एस एस परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि सोनी इंडिया लि. परियोजना	राष्ट्रीय संस्कृति निधि – आई एफ सी एल परियोजना	एन बी सी सी इंडिया परियोजना	कुल
चालू वर्ष	**33**	**34**	**35**	**36**	**37**	**38**	**39**	**40**	**41**	
क. निधि का प्रारंभिक शेष	1,269,592	33,180	874,745	1,773,704	4,218,178	1,062,245	19,000,000	50,078,647	-	**201,343,043.83**
ख. निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	700,000	1,627,126		-	-	-	-	30,000,000	**32,550,892.00**
ii निधि में किए गए निवेशों से आय	57,832	8,043	-	72,219	300,523	43,251	1,414,095	3,723,780	-	**16,860,469.61**
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-				-			
कुल (ख)	57,832	708,043	1,627,126	72,219	300,523	43,251	1,414,095	3,723,780	30,000,000	**19,411,361.61**
कुल (क+ख)	1,327,424	741,223	2,501,871	1,845,923	4,518,701	1,105,496	20,414,095	53,802,427	30,000,000	**220,754,405.44**
ग निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
- अन्य प्रशासनिक व्यय	633	-	633	-	-	-	-	-		**9,315.00**
- परियोजना व्यय	1,000,000	700,000	2,300,000		447,898					**13,170,116.06**
कुल	1,000,633	700,000	2,300,633	-	447,898	-	-	-		**13,179,431.06**
कुल (ग)	1,000,633	700,000	2,300,633	-	447,898	-	-	-		**13,179,431.06**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	326,792	41,223	201,239	1,845,923	4,070,803	1,105,496	20,414,095	53,802,427	30,000,000	**207,574,974.38**
निधियों का योग	326,792	41,223	201,239	1,845,923	4,070,803	1,105,496	20,414,095	53,802,427	30,000,000	**207,574,974.38**
गत वर्ष	33	34	35	36	37	38	39	40		
क) निधि का प्रारंभिक शेष	38,438	32,925	815,177	999,966	4,018,814		-	-		**124,698,054.70**
ख) निधि में परिवर्धन										
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
ii. निधि में किए गए निवेशों से आय	4,008,067	255	60,198	773,738	379,140	1,062,245	19,000,000	50,000,000		**110,834,022.13**
iii. अन्य परिवर्धन – बैंक ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	78,647		**3,531,172.00**
-टिकटों की बिक्री (L&S शो)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-प्राप्त मंच किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ख)	**4,008,067**	**255**	**60,198**	**773,738**	**379,140**	**1,062,245**	**19,000,000**	**50,078,647**		**114,365,194.13**
कुल (क+ख)	**4,046,505**	**33,180**	**875,375**	**1,773,704**	**4,397,954**	**1,062,245**	**19,000,000**	**50,078,647**		**239,063,248.83**
ग)निधि के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय										
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- परियोजना व्यय	2,776,913		630		179,776	-	-	-		**37,720,205.00**
कुल	**2,776,913**		**630**		**179,776**	**-**	**-**	**-**		**37,720,205.00**
कुल (ग)	**2,776,913**		**630**		**179,776**	**-**	**-**	**-**		**37,720,205.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क+ख–ग)	**1,269,592**	**33,180**	**874,745**	**1,773,704**	**4,218,178**	**1,062,245**	**19,000,000**	**50,078,647**		**201,343,043.83**
निधियों का योग	**1,269,592**	**33,180**	**874,745**	**1,773,704**	**4,218,178**	**1,062,245**	**19,000,000**	**50,078,647**		**201,343,043.83**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

	31.03.2017		31.03.2016	
अनुसूची–3 – चालू देयताएं एवं प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. विविध ऋणदाता				
क) माल एवं सेवा के लिए		712,533	764,026	764,026
2. प्राप्त अग्रिम राशियां	462,051	462,051	462,051	462,051
3. सांविधिक देयताएं				
ख) अन्य : संदेय आयकर	28,700	28,700	102,656	102,656
4. अन्य चालू देयताएं : अग्रिम धन				
: परियोजना को वापसी योग्य राशि	1,330,330		1,330,330	
: संदेय व्यय	100,000		107,865	
: राष्ट्रीय संग्रहालय को संदेय	742,475		742,475	
: संस्कृति मंत्रालय को संदेय	(719)	2,172,086	(719)	2,179,951
कुल (क)		**3,375,370**		**3,508,684**
ख. प्रावधान				
1. कराधान के लिए				–
कुल (क)				–
कुल (क + ख)		**3,375,370**		**3,508,684**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – स्थायी परिसंपत्तियां विवरण	सकल खंड					मूल्यह्रास				निवल खंड	
	मूल्यह्रास दर	वर्ष के आरंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के अंत में प्रारंभ	वर्ष के दौरान परिवर्धनों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक योग	चालू वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1 एयर कंडीशनर	15%	57,500	-	-	57,500	56,501	150	-	56,651	849	999
2 वाल्टेज स्टैब्लाइजर	15%	4,800	-	-	4,800	4,716	13	-	4,729	71	84
3 रेफ्रिजरेटर	15%	7,063	-	-	7,063	6,899	25	-	6,924	139	164
			-								
4 फर्नीचर मदें	10%	3,039,564	-		3,039,564	741,294	229,827	-	971,121	2,068,443	2,298,270
			-								
5 फोटो कॉपियर	15%	689,612	-	-	689,612	514,526	26,263	-	540,789	148,823	175,086
6 फैक्स मशीन	15%	35,900	-	-	35,900	26,068	1,475	-	27,543	8,357	9,832
			-								
7 कम्प्यूटर हार्डवेयर	60%	896,554	-	-	896,554	889,494	4,236	-	893,730	2,824	7,060
8 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	60%	24,390		-	24,390	24,353	22	-	24,375	15	37
चालू वर्ष का योग		4,755,383	-	-	4,755,383	2,263,851	262,011	-	2,525,862	2,229,521	2,491,532
गत वर्ष		4,746,983	8,400	-	4,755,383	1,966,471	297,380	-	2,263,851	2,491,532	2,780,512

(उपर्युक्त में शामिल भाड़ा – खरीद आधार पर परिसम्पत्तियों के बारे में दी जाने वाली टिप्पणी)

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा निर्धारित लेखाकरण के नए लेखांकन फार्मेट की अपेक्षा का पालन करने के लिए स्थायी परिसंपत्तियों के समूहीकरण में परिवर्तन किया गया है।

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपयों में)

	31.03.2017		31.03.2016	
अनुसूची 5 – चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम धन आदि				
क. चालू परिसंपत्तियां				
1 **विविध ऋणदाता**				
क. छह मास से अधिक अवधि से बकाया ऋण				
ख. अन्य	1,157,169	1,157,169	391,369	391,369
2 **हाथ रोकड़ शेष (चेक, ड्राफ्ट तथा अग्रदाय सहित) – अनुबंध–1 संलग्न**		15		82
3 **बैंक में शेष राशि :**				
क. अनुसूचित बैंकों में :				
– सावधि जमा खाते में (मार्जिन राशि भी शामिल है)	556,896,935		521,500,841	
– बचत खाते में	91,413,683	648,310,617	80,021,916	601,522,758
कुल (क) – विवरण संलग्न अनुबंध के अनुसार		**649,467,801**		**601,914,209**
ख. ऋण, अग्रिमधन और अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण				
ग) अन्य			.	.
2. अग्रिम धन और अन्य रकमें जो नकदी में या वस्तु रूप में या प्राप्तव्य मूल्य पर वसूलनीय है।				
ख) पूर्व भुगतान			.	
ग) अन्य – महानिदेशक (भारतीय पुरातत्व विभाग)			..	
3. प्रोद्भूत आय				
क) उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधियों से निवेश पर	4,831,702		4,855,456	
ख) अन्य – निवेशों पर	22,953,045		8,906,858	
ग) अन्य	-	27,784,747	-	13,762,314
4. प्राप्य दावे/टी डी एस वसूली योग्य : राष्ट्रीय संस्कृति निधि निवेशों पर	10,131,277		10,125,000	
परियोजनाओं पर	3,899,340	14,030,617	3,238,203	13,363,203
कुल (ख)		**41,815,364**		**27,125,517**
कुल (क + ख)		**691,283,165**		**629,039,725**

अनुसूची 5 का अनुबंध–1

राष्ट्रीय संस्कृति निधि
31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र में समाविष्ट अनुसूचियां

अंतिम शेष	(रुपये में) 31.03.2017 की स्थिति के अनुसार		(रुपये में) 31.03.2016 की स्थिति के अनुसार	
1 रोकड़ शेष				
राष्ट्रीय संस्कृति निधि – अग्रदाय	15	**15**	82	
विशिष्ट परियोजनाएं		.		
कुल 1		**15**		**82**
2 बैंक शेष				
अनुसूचित बैंकों के बैंक शेष				
क) चालू खातों पर				
ख) मार्जिन राशि सहित जमा लेखा में				
राष्ट्रीय संस्कृति निधि मुख्यालय				
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली	-		1,585,374	
आई डी बी आई, नई दिल्ली	183,505,451		167,878,740	
केनरा बैंक	215,059,508		216,877,493	
विशिष्ट परियोजनाएं				
सावधि जमा – परियोजनाएं	158,331,976	556,896,935	135,159,234	521,500,841
ग) बचत खाते में				
राष्ट्रीय संस्कृति निधि मुख्यालय				
राष्ट्रीय संस्कृति निधि, एल टी पी खाता सं. 1231	10,323,892		9,920,002	
स्टेट बैंक ऑफ पटियाला 7456	5,572,601		5,306,521	
आई डी बी आई बैंक – खाता सं. 0055	3,440,955		3,308,904	
केनरा बैंक खाता सं. 627	1,564,278	20,901,726	3,396,339	21,931,766
विशिष्ट परियोजनाएं				
बाल अकादमी परियोजना, दुर्गापुर	127,945		122,939	
हुमायूं का मक़बरा परियोजना	20,380		19,394	
जैसलमेर किला परियोजना – बैंक	163,871		103,698	
जंतर मंतर परियोजना	783,542		746,130	
ज्ञान प्रवाह परियोजना	6,471		7,103	
किष्किन्धा न्यास परियोजना	56,823		54,599	
तुगलकाबाद किला परियोजना	73,119		73,751	
रमण महर्षि परियोजना – भाग–1	1,187		1,056	
देवाहूति दामोदर स्वराज न्यास परियोजना	8,943		8,653	
राजा दिनकर केलकर संग्रहालय परियोजना	1,121,867		1,078,092	
शनिवारवाड़ा परियोजना	2,019,104		2,020,079	
आलमबाज़ार मठ परियोजना	8,375,343		7,968,725	
गोल गुम्बज़ परियोजना	13,310		12,675	

हिडिम्बा मंदिर परियोजना, मनाली	2,715,725		2,609,475	
वज़ीरपुर का गुम्बज़ परियोजना	150,411		143,229	
इंडियन ऑयल प्रतिष्ठान परियोजना	13,598,584		12,991,200	
हम्पी प्रतिष्ठान परियोजना	289,284		277,967	
लोधी मक़बरा परियोजना	3,362,294		3,201,751	
एन बी सी सी परियोजना – भारत एसबीआई बैंक	30,000,000		-	
हज़ारद्वारी मुर्शिदाबाद परियोजना	98,845		99,477	
भारतीय फोटो अभिलेख परियोजना	53,266		53,898	
नौरस न्यास परियोजना	49,858		50,490	
राष्ट्रीय संस्कृति निधि परियोजना – एन टी पी सी	98,905		99,537	
श्रीमती मृणालिनी साराभाई पर फिल्म परियोजना	98,842		99,474	
ओ एन जी सी रीच प्रतिष्ठान परियोजना	19,967		20,599	
एम एस आर वी एम (पुराना) पुष्कर परियोजना	51,082		46,714	
ओ एन जी सी अहोम स्मारक परियोजना	19,810		72,320	
एस सी एल महाबलीपुरम् परियोजना	71,701		72,333	
ओ एन जी सी राष्ट्रीय संग्रहालय परियोजना	10,149		10,781	
लौरिया नंदनगढ़ बोकारो परियोजना	3,098,037		2,976,829	
नागरिक सेवा मंडल परियोजना	435,536		435,536	
उत्तरादेवी चैरिटेबल परियोजन	23,399		62,706	
स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन जंतर मंतर परियोजना	15,065		6,554	
हुडको क्राफ्ट सुंदरवाला परियोजना	40,501		24,379	
भेल एस एस एस परियोजना	121,100		114,538	
राष्ट्रीय संस्कृति निधि नवेली लिग्नाइट परियोजना	1,845,923		1,773,704	
आर ई सी परियोजना	26,124		322,789	
आई आई एफ सी एल परियोजना	109,729		100,000	
सोनी इंडिया लिमिटेड परियोजना	106,139		19,000,000	
जैसलमेर (नई) परियोजना	108,897		130,854	
ओस्मानिया विश्वविद्यालय परियोजना	1,105,496		1,062,245	
हुडको क्राफ्ट प्रशिक्षण परियोजना	5,541		4,027	
ज्ञान प्रवाह 2 परियोजना	9,850	70,511,957	9,850	58,090,150
कुल 2	**648,310,617**			**601,522,758**
महायोग 1 + 2	**648,310,632**			**601,522,840**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

	31.03.2017	31.03.2016
अनुसूची 6 – अर्जित ब्याज		
1 **सावधि जमा पर**		
क. अनुसूचित बैंकों में	32,454,045	32,375,384
2 **बचत खातों पर**		
क. अनुसूचित बैंकों में	877,810	1,156,582
कुल	**33,331,855**	**33,531,966**
अनुसूची 7 – अनुदान/सहायिकी		
प्राप्त अटल अनुदान/सहायिकी)		
1. केन्द्र सरकार	–	–
2. राज्य सरकार	–	–
3. सरकारी एजेंसियां	–	–
4. संस्थान/कल्याणकारी निकाय	–	–
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	–	–
6. अन्य : प्रदत्त एफ ए से/मुकाबले वापसी	–	–
7. अन्यों से अनुदान	1,531,600	–
कुल	**1,531,600**	–

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

	31.03.2017	31.03.2016
अनुसूची 8 – अन्य आय		
1 विविध आय	3,283	12,000
कुल	**3,283**	**12,000**

	31.03.2017	31.03.2016
अनुसूची 9 – स्थापना व्यय		
क. वेतन और मजदूरी	4,473,517	3,774,200
ख. अन्य : मानदेय	5,000	4,000
कुल	**4,478,517**	**3,778,200**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

	31.03.2017	31.03.2016
अनुसूची 10 – अन्य प्रशासनिक व्यय		
क. मरम्मत तथा अनुरक्षण, कम्प्यूटर अनुरक्षण	27,812	1,924,752
ख. डाक खर्च, टेलीफोन, संचार	5,164	22,809
ग. मुद्रण एवं लेखन सामग्री	203,933	507,381
घ. यात्रा एवं परिवहन खर्चे	702,548	1,068,700
ङ लीडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम, ब्रिटिश म्यूजियम, लंदन के लिए व्यावसायिक प्रभार	965,585	226,176
च. कार्यालय खर्चे	216,943	392,699
छ. सुरक्षा गार्ड खर्चे	121,719	196,988
ज. विज्ञापन खर्चे	-	116,833
झ. बैठक खर्चे, मेंला एवं प्रदर्शनी	82,800	56,948
ञ. लेखन सामग्री	36,405	375,663
ट. संविदात्मक स्टाफ खर्चे	-	232,148
ठ. लेखा परीक्षा शुल्क	104,610	-
ड. वेब डिजाइनिंग खर्चे	123,088	275,988
कुल	**2,590,607**	**5,397,085**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2017 को समाप्त अवधि/वर्ष के संबंध में आय और व्यय में समाविष्ट अनुसूचियां

(राशि रुपये में)

	31.03.2017	31.03.2016
अनुसूची 11 – अनुदान, सहायिकियों आदि व्यय		
क. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को दिया गया अनुदान	1,531,600	
नवेली लिग्नाइट को दिया गया अनुदान		720,989
ख. संस्थाओं/संगठनों को दी गई सहायिकियां	.	.
कुल	**1,531,600**	**720,989**

	31.03.2017	31.03.2016
अनुसूची 12 – ब्याज		
क. बैंक प्रभार .	-	-
ख. टी डी एस/आय कर पर शास्तियां	121,191	6,352
कुल	**121,191**	**6,352**

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

31.03.2016 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	31.03.2017	31.03.2016	भुगतान	31.03.2017	31.03.2016
I. प्रारंभिक शेष			I. व्यय		
क) हाथ रोकड़	82	22,806	क) स्थापना व्यय	4,478,517	3,778,200
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	2,723,921	5,236,271
i) जमा खातों में	521,500,841	424,970,006			
ii) बचत खातों में	80,021,916	80,236,201	**II. निधियों में से किए भुगतान**		
			अनुदान संबंधी व्यय	1,531,600	720,989
II. प्राप्त ब्याज			उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि	13,179,431	37,720,205
क. बैंक जमा राशियों पर	33,349,332	29,357,049			
IV. स्थायी परिसंपत्तियों तथा चालू पूंजीगत कार्य पर व्यय					
III अन्य आय (विशिष्ट उल्लेख करें)			क) स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद	-	8,400
दान/अनुदान	765,800	11,000	**V. अधिशेष (सरप्लस) धन/ऋणों की वापसी**		.
IV. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)		.	क) भारत सरकार को	.	.
क. उद्दिष्ट/वृत्तिदान निधि					
निधियों में परिवर्धन	34,704,038	114,365,194	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		6,352
ख. प्राप्त विविध जमा	3,283	1,000			
ग. पूर्व देय		30,000	**VII. अन्य भुगतान (उल्लेख करें)**		
			कर वसूली	121,191	
			भारत की निधि		.
			जे पाल गुट्टी		.
			निरलोन प्रतिष्ठान न्यास		.
			लीडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम		.
			क) हाथ रोकड़	15	82
			ख) बैंक शेष		
			i) जमा खातों में	556,896,935	521,500,841
			ii) बचत खातों में	91,413,683	80,021,916
कुल	**670,345,293**	**648,993,256**	**कुल**	**670,345,293**	**648,993,256**

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
हमारी संलग्न समसंख्यक रिपोर्ट के अनुसार

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार
(फर्म पंजीकरण सं. 015053एन)

कृते एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि
की ओर से

विपुल कुमार (भागीदार
एम. एन. : 094803

मुख्य कार्यकारी अधिकारी)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.12.2017

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

अनुसूची 13 एवं 14

तुलन पत्र और आय व व्यय लेखाओं के अभिन्न भाग के रूप में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं संबंधी टिप्पणियां

क) उल्लेखनीय लेखांकन नीतियां

1. लेखांकन परंपरा

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत परंपराओं एवं अन्य अनिवार्य लेखा मानदंडों के तहत् तैयार किया गया है।

2. स्थायी परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

क) स्थायी परिसंपत्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर अर्जन की लागत पर दर्शाया गया है।

ख) स्थायी परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत निर्धारित दरों के अनुसार मूल्यह्रास पर समानुपातिक आधार पर विचार किया गया है।

ग) वर्ष के दौरान नियत संपत्ति में जोड़/से कटौती के संबंध में ह्रास को समानुपातिक आधार पर विचार किया गया है।

3. लेखांकन पद्धति

न्यास अपने खातों को रोकड़ आधार पर रखता था, किन्तु केन्द्रीय स्वायत्त निकायों हेतु अपेक्षाओं को अनुपालित करने के क्रम में न्यास ने वित्त वर्ष 2001–02 के बाद से लेखांकन पद्धति के रोकड़ आधार को बदलकर प्रोद्भवन आधार को अपना लिया है।

4. राजस्व मान्यता

क) न्यास लेखांकन के प्रोद्भवन प्रणाली का अनुपालन कर रहा है और सभी राजस्वों को तब मान्यता दी जाती है, जैसे ही वह प्राप्ति के लिए देय हो जाता है तथा सभी व्ययों को तभी समाकलित किया जाता है जैसे ही वे भुगतान के लिए देय हो जाते हैं।

ख) विशिष्ट परियोजनाओं से आय अर्जन/हानि को संबंधित परियोजना पूर्ण होने के वर्ष में मान्यता दी जाएगी।

5. निवेश

निवेश को लागत में वर्णित किया गया है।

क) आकस्मिक देयताएं

आकस्मिक देयताओं को लेखा–बहियों में नहीं दिया गया है, किन्तु उन्हें लेखा–नोट्स के रूप में प्रकट किया गया है।

ख) लेखा टिप्पणी

1. अनुसूची 1 में दी गई कॉर्पस/पूंजीगत निधि में मुख्यतः दो भाग होते हैं यथा–प्राथमिक कॉर्पस एवं द्वितीयक कॉर्पस निधि। विवरण निम्नानुसार है :–

विवरण	प्राथमिक कॉर्पस निधि (राशि रूपये में)	द्वितीयक कॉर्पस निधि (राशि रूपये में)	कुल कॉर्पस निधि
प्रारंभिक शेष	19,50,00,100.00	23,16,79,429.68	42,66,79,529.68
जोड़ – वर्ष के दौरान आय एवं व्यय लेखा से अंतरित आधिक्य	शून्य	2,58,82,812.00	2,58,82,812.00
	19,50,00,100.00	**25,75,62,241.68**	**45,25,62,341.68**

2. आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12 'क' के तहत् छूट प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

3. जहां पर आवश्यक हुआ है वहां पर पिछले वर्ष के संगत आंकड़ों को पुनः समूहित/व्यवस्थित किया गया है।

4. अनुसूची 1 से 14, 31.03.2017 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और यथातिथि पर समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न हैं।

कृते विपुल कुमार एवं कंपनी
सनदी लेखाकार

(भागीदार)

कृते एवं राष्ट्रीय संस्कृति निधि
की ओर से

(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29 दिसम्बर, 2017

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय संस्कृति निधि

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

पुरातत्व भवन
5वां तल, डी ब्लाक,
आई एन ए, नई दिल्ली-110023
Website : www.ncf.nic.in

Designed & Printed by : Indu Cards & Graphics, Mob : 9811419531